कोटद्वार, शुक्रवार
8 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 18 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सम्राट कैबिनेट में नीतिश के बेटे समेत 32 मंत्री

- पीएम ने पूर्व सीएम को बुलाया, हाथ पकड़कर पास लाए
- पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश ने प्रधानमंत्री के कंधे पर हाथ रखा

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी के सीएम बनने के 22 दिन बाद आज गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतिश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए। नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, एलजेपी (आर)-2, हम और लोसपा से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतिश कुमार को अपने पास बुलाया।

बीजेपी ने 3 चेहरों को ड्रॉप किया

सम्राट कैबिनेट में बीजेपी कोटे से 15 मंत्रियों ने शपथ ली है। इनमें 5 नए चेहरे हैं, वहीं तीन पुराने लोगों को इस बार मौका नहीं मिला। इनमें बीजेपी के सीनियर लीडर मंगल पांडेय, बेगूसराय के बछवाड़ा से विधायक सुरेंद्र मेहता और प. चंपारण से नारायण प्रसाद का नाम शामिल है। मंत्री पद नहीं मिलने के बाद मंगल पांडे को भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पूर्व मंत्री नितिन नवीन की टीम में शामिल होंगे।

विजय की शपथ ग्रहण पर सस्पेंस हुआ खत्म!

- बहुमत साबित करने के बाद ही सीएम बन सकते हैं टीवीके चीफ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में कौन बनेगा मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बरकरार है। गुरुवार सुबह विजय एक बार फिर राज्यपाल से मिले। लेकिन अब खबर आई है कि विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की शपथ तभी ले सकते हैं जब उनके पास बहुमत का आंकड़ा हो। सियासी गलियारों में हलचल तेज है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि विजय राज्य में तभी शपथ ले पाएंगे जब उनके पास बहुमत हो।

विजय को सरकार बनाने दें: स्टालिन

डीएमके प्रमुख स्टालिन ने कहा कि सी जोसेफ विजय की सरकार बनाने दें। डीएमके अगले छह महीने तक बिना किसी हस्तक्षेप के नई सरकार को देखेगी और उसके बाद कोई फैसला लेगी। स्टालिन ने संकेत दिया कि फिलहाल डीएमके राज्य में ना तो संवैधानिक संकट चाहती है और ना ही जल्द दोबारा चुनाव।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ निपटाएंगे सास-बहू का झगड़ा

- एससी ने कपूर फैमिली विवाद में नियुक्त किया मध्यस्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ एक हाई प्रोफाइल बिजनेस फैमिली के झगड़े के सुलझाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कपूर फैमिली विवाद में मध्यस्थ के तौर पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कपूर फैमिली के पारिवारिक ट्रस्ट से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए की गई है। यह विवाद उस कानूनी लड़ाई का केंद्र बिंदु है, जो पिछले साल जून में व्यवसायी संजय कपूर के निधन के बाद उनके द्वारा छोड़ी गई 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रही है।

मुख्य विवाद संजय कपूर की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर के बीच है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह मध्यस्थता केवल ट्रस्ट (यानी रानी कपूर फैमिली ट्रस्ट) और कपूर परिवार से जुड़ी अन्य कंपनियों तक ही सीमित है; इसमें संजय कपूर की वसीयत शामिल नहीं है। संजय कपूर की मां, रानी कपूर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक दीवानी मुकदमा दायर किया था, जिसमें उन्होंने इस ट्रस्ट को अवैध और धोखाधड़ी एवं जालसाजी के जरिए बनाया गया घोषित करने की मांग की थी।

परिवार के सभी सदस्य मध्यस्थता के लिए राजी- विवाद में शामिल परिवार के सभी सदस्य ट्रस्ट से जुड़े मामले में मध्यस्थता के लिए पेश होने को राजी हो गए हैं। इनमें संजय कपूर की दूसरी पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चे, समायरा और कियान भी शामिल हैं।

अगली सुनवाई अब अगस्त में होगी

पीठ ने कहा, आज संबंधित पक्षों की ओर से पेश सभी वकीलों ने मध्यस्थता के लिए सहर्ष सहमति व्यक्त की है। इसे देखते हुए हम भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करते हैं। पीठ ने यह भी कहा, हम मध्यस्थ से प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने की प्रतीक्षा करेंगे और उसके बाद मामले में आगे की कार्यवाही करेंगे। मामले की अगली सुनवाई अब अगस्त में होगी।

पारिवारिक ट्रस्ट को अमान्य घोषित करने की मांग

शीर्ष अदालत ने 27 अप्रैल को, संजय कपूर की मां द्वारा दायर उस मामले में प्रिया कपूर और अन्य से जवाब मांगा था जिसमें पारिवारिक ट्रस्ट को अमान्य घोषित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पीठ ने 80 वर्षीय रानी कपूर द्वारा दायर याचिका पर प्रिया कपूर और अन्य को नोटिस जारी किया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अक्टूबर 2017 में उनके नाम पर गठित ट्रस्ट जाली था।

'ऑपरेशन सिंदूर' अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी

- एक साल पूरे होने पर सेना बोली, आतंकवाद से लड़ते रहेंगे

भारती ने कहा-सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा हमला दोबारा न हो

जयपुर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। गुरुवार को भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुख जयपुर के साउथ वेस्टर्न कमांड में जुटे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सैन्य अभियान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पिछले कई दशकों में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया। पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो।

सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं

डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन और डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ राजीव घई ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि 'आत्मनिर्भर' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि वास्तव में हमारी शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला है। आज हमारे 65 फीसदी से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। सेना उन्हीं हथियारों का उपयोग कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, अभी तो शुरुआत है। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को एक संदेश दिया है।

महाविनाशक मिसाइल टेस्ट करने जा रहा भारत

10000 किमी की मारक क्षमता, पूरी दुनिया की नींद उड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी स्वदेशी रूप से विकसित बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि के लेटेस्ट और सबसे घातक वर्जन के टेस्ट की तैयारी कर रहा है। संस्कृत में अग्नि का अर्थ आग होता है और यह मिसाइल अपने नाम के अनुरूप ही रक्षा क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने वाली है। यह मिसाइल एक साथ कई परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है, जो भारत की रणनीतिक ताकत को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। वर्तमान में दुनिया के केवल पांच देशों के पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की ताकत है। ये देश हैं- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन। अब इस सूची में भारत भी अपनी अग्नि-6 के साथ अपनी स्थिति बेहद मजबूत करने जा रहा है। अग्नि 6 भारत की नेक्स्ट जनरेशन मिसाइल है, जिसे खास तौर पर भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

दोषियों को फांसी नहीं, उम्रकैद मिले

- बेटे चंद्रनाथ की हत्या पर छलका मां का दर्द

भाई ने कहा- किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के बीच बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी और उनके पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। अब इस मामले में चंद्रनाथ रथ की मां हासिरानी रथ का दर्द छलक पड़ा है। उन्होंने अपने बेटे की हत्या के लिए सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं और दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। चंद्रनाथ के भाई देव कुमार ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उत्तर 24 परगना के चांदीपुर में मीडिया से बात करते हुए हासिरानी रथ ने कहा, मैं चाहती हूं कि दोषियों को सजा मिले। मैं एक मां हूं, इसलिए मैं नहीं चाहती कि उन्हें फांसी हो। लेकिन मैं चाहती हूं कि उन्हें आजीवन कारावास मिले।

'चंद्रनाथ की किसी से कोई दुश्मनी नही थी'

चंद्रनाथ के भाई देव कुमार ने कहा, कल वह हमारे साथ बैठा था और हमसे बातचीत कर रहा था। दोपहर 2 बजे के बाद वह कोलकाता के लिए निकला था। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। गौर करने वाली बात है कि बुधवार देर रात मध्यमग्राम के दोहरिया इलाके में बाइक सवार हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोककर उन पर गोलीबारी की थी। इस हमले में उनके सुरक्षाकर्मी बुद्धदेव भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मामले की जांच के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक हाई-लेवल एसआईटी गठित करने का फैसला किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम गुरुवार सुबह घटनास्थल पर पहुंची और नमूने एकत्र किए।

अधिकारी ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। अधिकारी ने कहा, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए ऐसा लगता है कि हत्या पूर्व नियोजित थी। जांचकर्ता घटनास्थल और आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और हमलावरों का पता लगाने के लिए पुलिस के कई दल गठित किए गए हैं।

गोलाबारी करने के बाद फरार हुए हमलावर

जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने रथ की कार को रात करीब साढ़े 10 बजे डोलतला और मध्यमग्राम चौमाथा के बीच दोहरिया के पास रोका और वे गोलीबारी करने के बाद फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा, विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। हम कई सुरागों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि हमलावरों ने रथ के वाहन को समन्वित तरीके से रोका और फिर नजदीक से कई गोलियां चलाईं। जांचकर्ताओं को संदेह है कि रथ के वाहन को पहले दोहरिया चौराहे के पास एक छोटे चारपहिया वाहन से रोका गया जिसके बाद मोटरसाइकिल सवार हमलावरों में से एक ने रथ की कार पर गोली चलाई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धनाथ गुप्ता ने घटनास्थल पर पत्रकारों से कहा, रथ की कार को कथित तौर पर रोकने वाले एक संदिग्ध वाहन को जब्त किया गया है। हालांकि, उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी पाई गई।

बंद मंदिर खुले, रोड से हट गए फर्जी टोल

- कांग्रेस को भी मिला सालों से खोया ऑफिस
- वेस्ट बंगाल में दिखने लगा परिवर्तन का असर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस को बुरी तरह पटखनी दे दी है। सत्ता पलट होने के साथ ही पूरे राज्य में आगजनी, तोड़फोड़ और झड़प की खबरें सामने आ रही हैं। फिलहाल 9 मई को राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह है। उससे पहले बंगाल बीजेपी के बड़े नेता और संभावित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इसके अलावा मुर्शिदाबाद के जियागंज इलाके में भीड़ ने लेनिन की मूर्ति को तोड़ दिया। 24 परगना में टीएमसी नेता जहांगीर खान के ऑफिस में भी भीड़ ने हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी कर दी। इसी तरह की कई खबरें लगातार सामने आ रही हैं लेकिन कुछ खबरें ऐसी भी हैं, जो ऐसे हालात में भी सत्ता परिवर्तन को सकारात्मक बता रही हैं।

कांग्रेस कार्यालयों से हटा कब्जा- चुनाव के नतीजे आते ही एक तरफ बीजेपी कार्यालय में मिठाइयां बंट रही थीं। वहीं दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल के कई जिलों में कांग्रेस के कार्यालय ताला तोड़कर खोले गए।

कांग्रेस के इन कार्यालयों को टीएमसी ने कब्जा रखा था। बीजेपी के सत्ता में आने के साथ ही कांग्रेस को उसके कार्यालय वापस मिल गए।

कई जिलों में मंदिरों में फिर शुरू हुई पूजा

कई जिलों में मंदिरों पर भी ताले लटका दिए गए थे। जैसे ही प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ, वैसे ही इन मंदिरों के ताले खोलकर इनमें साफ-सफाई शुरू कर दी गई। पूरे पश्चिम बंगाल से ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनसे सालों से दबी भावनाएं फिर मुखर होकर सामने आईं।

कई सालों से दबी आह अब निकली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें एक युवक बता रहा है कि लॉकडाउन के समय उससे स्थानीय टीएमसी नेता ने 5 लाख रुपए की मांग की थी। जिसे न देने पर उससे अंजाम भुगतने को तैयार रहने कहा गया। युवक ने जब वसूली देने से मना किया तो उसकी दुकान पर रोज कचरा फिंकवा कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसकी दुकान पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी भड़काया गया। सत्ता बदलते ही युवक ने वीडियो बनाकर अपनी भड़ास निकाली है। फिलहाल सभी को 9 मई का इंतजार है। शपथ ग्रहण के बाद सरकार संभालते ही कानूनी स्थिति भी संभलने की उम्मीद है। लोगों में बदलाव को लेकर सकारात्मकता देखी जा रही है। बता दें कि बीजेपी पहली बार अपने दम पर पश्चिम बंगाल में सरकार बना रही है।

नाकों पर हो रही अवैध वसूली बंद

पश्चिम बंगाल से लगी अन्य राज्यों की सीमाओं पर कहीं पुलिस तो कहीं टीएमसी के कार्यकर्ता वाहनों से अवैध वसूली करते थे। सत्ता बदलते ही अब उन नाकों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। कई जगहों से ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जहां पहले वाहनों से वसूली होती थी और अब उन नाकों से वाहन सीधे निकल रहे हैं। ऐसा शायद ही कभी देखा गया हो कि किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन को सरकारी कर्मचारी भी खुले तौर पर समर्थन कर रहे हों। पश्चिम बंगाल सचिवालय में चुनावी नतीजे साफ होते ही सभी कर्मचारी इकट्ठे हो गए और जमकर अपनी खुशी जाहिर की। यह कर्मचारी पिछले काफी वर्षों से सरकार से डीए बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

योगी और धामी ने किया बिथ्याणी महाविद्यालय को आदर्श कॉलेज घोषित, मिनी स्टेडियम का शिलान्यास

पंचूर में योगी आदित्यनाथ ने किया महायज्ञ में सहभाग, युवाओं को दी सकारात्मक सोच की प्रेरणा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड की पावन भूमि यमकेश्वर आज दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मिलन और विकास कार्यों की साक्षी बनी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रूप से यमकेश्वर क्षेत्र का भ्रमण कर महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। उन्होंने महादेव से देश व प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की प्रार्थना की। यमकेश्वर आगमन पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने अतिथियों का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे। यहां उन्होंने विष्णु महायज्ञ में प्रतिभाग किया और परिवार व ग्रामीणों के साथ आध्यात्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बने। मुख्यमंत्री योगी ने मंदिर समिति का आभार जताते हुए कहा कि तीन वर्ष पूर्व जहां केवल श्रद्धा का भाव था, आज वहां भव्य मंदिर खड़ा है। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा जीवन में प्रगति के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना अनिवार्य है। अच्छा सोचने से परिणाम सुखद होते हैं, और इस सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखने के लिए ईश्वर की भक्ति और आध्यात्मिकता ही सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री धामी ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व की सराहना करते हुए ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न की बरसी का उल्लेख किया। उन्होंने क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए बिथ्याणी महाविद्यालय को ह्यआदर्श कॉलेजह्न के रूप में विकसित करने और क्षेत्र में मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को वैश्विक स्तर की शिक्षा और खेल सुविधाएं देने हेतु संकल्पबद्ध है, जिसके क्रम में इस महाविद्यालय को हाईटेक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट, निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. आनंद उनियाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, उपजिलाधिकारी चतर सिंह चौहान, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेश कुमार शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल सहित अन्य अधिकारी, महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

योगी, धामी ने ओपन जिम का किया लोकार्पण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के लिए महाविद्यालय परिसर में ओपन जिम का लोकार्पण किया गया। दोनों मुख्यमंत्रियों ने स्वयं जिम उपकरणों पर व्यायाम कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। प्रस्तावित स्टेडियम के लिए चिन्हित भूमि के निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही यह जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

एआई आधारित वेबसाइट का शुभारंभ

महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, बिथ्याणी पहुंचने पर छात्राओं ने पारंपरिक भव्यता के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भावपूर्ण अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए अतिथियों ने महाविद्यालय की नई एआई आधारित वेबसाइट का डिजिटल उद्घाटन किया, जिसकी कार्यप्रणाली के बारे में त्रिलोक चंद्र शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल तकनीक का अनूठा उदाहरण तब देखने को मिला जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं एआई बॉट से संवाद कर महाविद्यालय की परीक्षा प्रणाली व परिणामों की समीक्षा की, जबकि मुख्यमंत्री धामी ने छात्र संख्या और कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

सालभर में पांच गर्भवती महिलाओं की मौत

नई टिहरी। स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव या मरीज को समय पर सही उपचार नहीं मिलने के कारण यहां सालभर में ही पांच गर्भवती महिलाओं को अपनी जान गवांनी पड़ी है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठते रहे हैं। पांच मई को पोखार निवासी एक गर्भवती महिला की मौत के बाद फिर से स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर सवाल उठाए गए लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इसके कई कारण गिनाते हुए मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी को ही मुख्य कारण बताया है। पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग चलती आ रही है। तमाम प्रयासों के बाद स्वास्थ्य उपकरण और चिकित्सकों की तैनाती के बाद भी मरीज को रेफर करने की परंपरा नहीं टूट पा रही है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो जिले में स्वीकृत 234 चिकित्सकों के सापेक्ष 204 चिकित्सक कार्यरत हैं। अभी ईएनटी और रेडियोलॉजिस्ट के पद रिक्त हैं बावजूद इस महीने ईएनटी विशेषज्ञ मिलने की उम्मीद है। रेडियोलॉजिस्ट का जिला अस्पताल, नरेंद्रनगर, बेलेश्वर, हिंडोलाखाल और देवप्रयाग में रोस्टर बनाया गया है। बावजूद अगस्त 2025 से अभी तक पांच गर्भवती महिलाओं की मौत ने स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाए हैं। सभी मामलों में सीएचसी से रेफर करने के कुछ घंटे बाद ही मौत की सूचना मिली है। स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार किए जा रहे सुधार के बावजूद गर्भवती महिलाओं की मौत पर सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने कहा कि पोखार निवासी आरती की मौत के बाद जो स्थिति सामने आई है उस स्थिति में मौत का कारण गर्भ ट्यूब में विकसित होना भी हो सकता है। बावजूद पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। जबकि अन्य मामलों में गर्भवती महिलाओं का मौत का कारण हाइपरटेंशन, रक्त वाहिनी में खून जमने, ब्लड प्रेशर बढ़ने और उनमें एक महिला की तो ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। पोखार की आरती मामले में भी परिजन प्राइवेट क्लीनिक ले जाने के बजाए पहले ही उसे सीएचसी बेलेश्वर में भर्ती कराना चाहिए था।

गेंवाली में आकाशीय बिजली का कहर

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गांव गेंवाली में गुरुवार दोपहर अचानक गिरी आकाशीय बिजली ने दहशत फैला दी। घटना से खेतों में काम कर रही एक महिला और एक युवती बेहोश हो गईं, जबकि छानियों में बिजली गिरने से बड़ी संख्या में भेड़–बकरियों के हताहत होने की सूचना है। ग्राम प्रधान देवेश्वरी देवी ने बताया कि गांव निवासी रूपा देवी पत्नी जयवीर सिंह (25 वर्ष) और बबीता पुत्री शेर सिंह (23 वर्ष) दोपहर के समय खेतों में आलू रोपण का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से दोनों महिलाएं बेहोश हो गईं। घटना के बाद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों को डंडी–कंडी के सहारे अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए। ग्रामीणों के अनुसार, गांव की छानियों के पास भी बिजली गिरने की सूचना है, जिससे वहां मौजूद कई भेड़–बकरियों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और अफरा–तफरी का माहौल बना हुआ है।

भद्रराज देवता की पूजा–अर्चना कर लोगों ने मांगी सुख–समृद्धि

नई टिहरी, ढाणा बाजार स्थित भद्रराज देवता की डोली की पूजा–अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ हुआ। जौनपुर क्षेत्र के तीन पट्टियों का यह मेला थत्यूड़ के ढाणा बाजार में हुआ। भद्रराज देवता मंदिर से डोली ढोल–दमाऊं के साथ थत्यूड़ बाजार होते हुए ढाणा भद्रराज मंदिर पहुंची। ढोल–दमाऊं की थाप पर ग्रामीणों ने रासो–तांदी किया। मेले में सुबह से ही दूर–दराज क्षेत्रों के लोगों का पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर होते–होते मेले में भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने देव डोली की पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि मांगी। मेले के दो–तीन दिन पहले से देहरादून और सहारनपुर से दुकानदारों का पहुंचने का सिलसिला शुरु हो गया था। मंदिर समिति के अध्यक्ष मुकेश रावत, महासचिव मनवीर नेगी, कोषाध्यक्ष रविंद्र परमार ने बताया प्रत्येक वर्ष भद्रराज देवता का पौराणिक मेला संपन्न होता है।

चेक बाउंस मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग की ओर से चेक बाउंस से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए आगामी 18 जुलाई और 21 नवंबर को विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। लोक अदालत जिला न्यायालय परिसर में होगी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पायल सिंह ने बताया कि लोक अदालत में कोई न्यायालय शुल्क नहीं लगता और पहले से जमा शुल्क भी वापस किया जा सकता है। लोक अदालत का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होता है और सिविल न्यायालय के समान प्रभाव रखता है।

चंपावत गैंग रेप प्रकरण में दून में कांग्रेस का प्रदर्शन

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चंपावत गैंगरेप मामले में भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। गुरुवार को यमुना कॉलोनी चौक चकराता रोड पर कांग्रेसी एकत्र हुए। यहां कांग्रेसियों ने चंपावत गैंगरेप मामले में प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राज्य सरकार का पुतला दहन किया। मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने राज्य की भाजपा सरकार पर हमला बोला। कहा कि प्रदेश में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं और कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। कहा कि देवभूमि एक बार फिर शर्मसार हुई है।

कांग्रेस का भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। चंपावत में नाबालिग के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर गुरुवार को ऋषिकेश में एनएसयूआई और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दुष्कर्म और महिला अपराध के मामले में लगातार भाजपा नेताओं पर गंभीर आरोप लगने से भाजपा का चाल और चरित्र उजागर हो रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर महिला सुरक्षा में फेल होने का आरोप भी लगाया। गुरुवार को कोयलघाटी तिराहा ऋषिकेश में एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष हिमांशु जाटव और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरव राणा ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा सरकार के राज में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि चंपावत में एक भाजपा नेता पर नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगे हैं। इससे पहले भी भाजपा के कई बड़े और स्थानीय नेताओं पर भी गंभीर आरोप लग चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब सत्ताधारी दल के नेता ही अपराध करेंगे तो जनता किससे उम्मीद करेगी। युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रवि थापा और महानगर अध्यक्ष युवा कांग्रेस हिमांशु कश्यप ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में भी भाजपा सरकार अब तक न्याय नहीं कर पाई है।

कूड़ा निस्तारण के लिए लाखों खर्च, फिर भी नही हटा कूड़ा

उत्तरकाशी। पालिका बाड़ाहाट की ओर से तिलोथ पावर हाउस के समीप कूड़ा निस्तारण केंद्र के नाम पर 40 लाख की धनराशि खर्च कर दी गई है लेकिन वहां पर समतलीकरण और दीवारों के निर्माण के बाद कार्य अधर में लटका है। नगर पालिका बाड़ाहाट की ओर से ताबांखानी से नया कूड़ा हटाने के बाद तिलोथ में कूड़ा निस्तारण केंद्र निर्माण के दावे किए गए लेकिन पालिका करीब डेढ़ वर्ष बाद भी कूड़ा निस्तारण के लिए ठोस योजना तैयार नहीं कर पाया है। पालिका की ओर से गत वर्ष तिलोथ में निर्माण के नाम पर 40 लाख खर्च कर दिए गए लेकिन वहां पर समतलीकरण और दीवारों का ही निर्माण किया गया। पालिका को इसके लिए पेयजल निगम, ग्रामीण निर्माण विभाग और लोनिवि से तकनीकी स्वीकृति लेनी है। इसमें अभी लोनिवि की ओर से तकनीकी स्वीकृति नहीं मिली है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद ही इस पर आगे कार्रवाई हो पाएगी। दूसरी ओर अब पालिका को बीआरओ की ओर से भी सड़क खाली करने के लिए कहा गया है। पालिका के अवर अभियंता सुशांत बिष्ट का कहना है कि लोनिवि से टीएसी मिलते ही तिलोथ में एमआरएफ केंद्र के निर्माण की कार्रवाई में तेजी लाई जाएगी।

जिले में 30 फीसदी राशन कार्ड धारकों की केवाईसी लंबित

हरिद्वार। जिले के 30 फीसदी राशन कार्ड धारकों ने अपना ऑनलाइन सत्यापन नहीं कराया है। विभाग की अपील के बावजूद उपभोक्ता अपनी ई–केवाईसी कराने नहीं पहुंच रहे हैं। निर्धारित समय 30 मई तक अनिवार्य रूप से सत्यापन नहीं करने पर राशनकार्ड और दर्ज यूनिट को विभागीय पोर्टल पर अस्थाई रूप से निष्क्रिय किया जा सकता है। असुविधा से बचने के लिए जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने उपभोक्ताओं से ई केवाईसी कराने की अपील की है। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग राशन कार्ड में दर्ज यूनिटों की केवाईसी कर रहा है। जिले में 70 फीसदी राशन कार्डों की ई केवाईसी पूरी हो चुकी है। विभाग तीन लाख 22 हजार राशन कार्डों का सत्यापन कर चुका है। लेकिन एक लाख 38 हजार राशन कार्ड उपभोक्ताओं ने अपनी ई केवाईसी नहीं कराई है। इसके लिए उपभोक्ताओं को अपने राशन डीलर के पास पहुंच कर अंगूठे के निशान रिकॉर्ड कराने अनिवार्य है। उपभोक्ता खुद भी एप्लिकेशन से माध्यम से अपनी ई केवाईसी करा सकते है। जिले में करीब 604 सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से राशन कार्ड धारकों को सरकारी राशन उपलब्ध कराया जाता है। जिला में उपभोक्ताओं के करीब चार लाख 60 हजार राशन कार्ड बने हुए है।

प्रसव के बाद महिला की मौत पर अस्पताल में हंगामा

रुद्रपुर। पंडित रामसुमेर शुक्ल राजकीय मेडिकल कॉलेज के जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) अस्पताल में प्रसव के बाद एक महिला की मौत हो जाने पर गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ।

परिजनों ने चिकित्सकीय सुविधाओं की कमी और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाना पंतनगर में तहरीर देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गुस्साए परिजनों ने करीब साढ़े नौ घंटे तक महिला का शव लेबर रूम से बाहर नहीं निकलने दिया। इधर, मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य ने मामले की जांच को चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। रुद्रपुर की सिंह कॉलोनी गली नंबर–1 निवासी सौरभ मिश्रा ने बताया कि वह मूल रूप से पीलीभीत जिले के पूरनपुर के रहने वाले हैं। बुधवार रात करीब साढ़े सात बजे वह अपनी गर्भवती पत्नी 28 वर्षीय ज्योति पांडे को प्रसव पीड़ा होने पर जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के गायनी वार्ड में लेकर पहुंचे। उनके साथ रिश्ते की बुआ प्रमिला मंडल, उनकी बेटी और दामाद भी थे। पुलिस को दी तहरीर में सौरभ ने आरोप लगाया कि अस्पताल में मौजूद नर्सिंग स्टाफ ने ज्योति को भर्ती तो कर लिया, लेकिन वहां कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। रात करीब 11 बजे ज्योति को लेबर रूम ले जाया गया और रात करीब डेढ़ बजे उसने सामान्य प्रसव से बेटी को जन्म दिया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी। सौरभ मिश्रा ने आरोप लगाया कि ऑक्सीजन उपलब्ध न होने के कारण स्थिति गंभीर हो गई।

चंपावत घटना के विरोध में कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला

अल्मोड़ा। चंपावत में छात्रा के साथ हुई घटना के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चौघानपाटा में भाजपा सरकार का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग उठाई। नगर अध्यक्ष ताराचंद जोशी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा लगातार सवालों के घेरे में है तथा सरकार अपराध रोकने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज को झकझोर देने वाली हैं और दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

नगर महामंत्री संगठन वैभव पांडे ने कहा कि नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि घटना उनके विधानसभा क्षेत्र में हुई है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री के क्षेत्र में ही महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं तो प्रदेश की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रदर्शन में प्रकाश चंद जोशी, दीप सिंह डांगी, दीपा शाह, राधा बिष्ट, किरण आर्य, गीता मेहरा, तारा तिवारी, पूरन रौतेला, मुकेश कुमार डैनी, परितोष जोशी, नारायण दत्त पांडे, विक्रम सिंह फर्त्याल, कार्तिक शाह, अजय वर्मा, विकास कुमार, आशु गोस्वामी, आनंद सिंह बिष्ट, अख्तर हुसैन, विनोद वैष्णव, सुशील शाह, गुंजन सिंह चम्याल, वैभव पांडे, दीपेश जोशी और फेमिना खान समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सोमेश्वर के अध्यक्ष राजू भट्ट और यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष भुवन दोसाद के नेतृत्व में भी चंपावत घटना के विरोध में भाजपा सरकार का पुतला दहन किया गया। कार्यकर्ताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर लमगड़ा विकासखंड में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

खांन्सी—ब्लाड़ी मोटर मार्ग पर 15 साल बाद भी नहीं बिछा डामर

उत्तरकाशी। डेढ़ दशक पहले बने खांन्सी ब्लाड़ी मोटर मार्ग का आज तक डामरीकरण नहीं हो पाया है। इससे ग्रामीणों में सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है। दो माह बाद बारिश शुरू होनी है और ग्रामीणों को अभी से ही चिंता सताने लगी है। बारिश के समय मोटर मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो जाती है। इससे ग्रामीणों को नकदी फसलों को मंडी तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। लोनिवि बड़कोट ने डेढ़ दशक पहले सात किमी खांसी ब्लाड़ी मोटर मार्ग बनाया था जिसका आज तक डामरीकरण नहीं हो पाया है। डामरीकरण की मांग के लिए ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन सहित लोक सभा चुनाव का बहिष्कार तक कर चुके हैं। वर्ष 2024 में खांन्सी और ब्लाड़ी के लोगों ने लोक सभा चुनाव का बहिष्कार कर मतदान नहीं किया था। तब स्थानीय प्रशासन ने मोटर मार्ग के डामरीकरण का भरोसा दिया था लेकिन चुनाव बीतने के बाद स्थानीय प्रशासन के किसी भी अधिकारी ने मुड़ कर ग्रामीणों की तरफ नहीं देखा। ग्राम प्रधान सूर्यपाल रावत का कहना है कि डामरीकरण नहीं होने से मोटर मार्ग पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बारिश के समय दुर्घटना की आशंका से दो पहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो जाती है जिससे गांव पहुंचने के लिए पौंटी मोल्डा मोटर मार्ग से दस किमी की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है।

ग्रामीण महिलाओं की आय का जरिया बनेगा पिरूल

उत्तरकाशी। वनाग्नि का बड़ा कारण पिरूल अब ग्रामीण महिलाओं की आय का जरिया बनेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से वन विभाग दस रुपये प्रति किलो की दर से पिरूल खरीदेगा। पिरूल एकत्रीकरण के लिए विकास खंड स्तर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित समूह की महिलाएं पिरूल एकत्रीकरण के तैयार हुई हैं जिन्होंने 1200 क्विंटल पिरूल एकत्र करने की हामी भरी है। अपर यमुना वन प्रभाग के मुंगर संती, कुथनौर, रवांई और नौगांव रेंज से जुड़ी वन पंचायतों के साथ मिलकर पिरूल एकत्रीकरण की योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है।

चंपावत दुष्कर्म प्रकरण में पुलिस जांच से साजिश का खुलासा

देहरादून। चंपावत जिले में दर्ज दुष्कर्म मामले की पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक तहरीर में तीन व्यक्तियों पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चंपावत श्रीमती रेखा यादव के पर्यवेक्षण में दस सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया गया। वैज्ञानिक और तकनीकी जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि घटना सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा थी। जांच में सामने आया कि पीड़िता अपनी इच्छा से विवाह समारोह में गई थी। बंद परिपथ कैमरे की फुटेज और कॉल विवरण से उसके आवागमन की पुष्टि हुई। चिकित्सीय परीक्षण में किसी प्रकार की चोट या जबरदस्ती के संकेत नहीं मिले। गवाहों के बयान भी तकनीकी साक्ष्यों से मेल नहीं खाते पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि कमल रावत ने बदले की भावना से प्रेरित होकर नाबालिग को बहला–फुसलाकर झूठा घटनाक्रम रचा। नामजद व्यक्तियों विनोद सिंह रावत, नवीन सिंह रावत और पूरन सिंह रावत की घटना स्थल पर मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई। डिजिटल और न्यायवैज्ञानिक साक्ष्यों का परीक्षण जारी है तथा संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला और बाल अपराधों के प्रति "शून्य सहिष्णुता" की नीति अपनाई जाती है।

न्यूनतम वेतन के लिए संघर्ष तेज करेगा सीटू

देहरादून। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) के एक दिवसीय श्रमिक कन्वेंशन में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंका गया। सीटू ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने की पुरजोर मांग उठाई। प्रेस क्लब में आयोजित कन्वेंशन में मुख्य वक्ता के रूप में सीटू के राष्ट्रीय महामंत्री व पूर्व सांसद अलाराम करीम ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने आपदा को अवसर में बदलते हुए महामारी के दौरान मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताएं पास कराईं। उन्होंने कहा कि केरल में न्यूनतम वेतन पूरे भारत में सबसे अधिक है और उत्तराखंड में भी इसे लागू कराने के लिए श्रमिकों को संगठित होना होगा। करीम ने मांग की कि श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 26,000 घोषित किया जाए। आरोप लगाया कि 20 नवंबर 2025 को श्रम संहिताएं लागू करने की घोषणा के बाद से श्रमिकों में भारी आक्रोश है, जिसकी झलक 12 फरवरी 2026 की राष्ट्रीय हड़ताल में देखने को मिली। उन्होंने रुद्रपुर की 'वी गार्ड' कंपनी में महिला श्रमिकों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की और कहा कि यूनियन बनाना हमारा संवैधानिक अधिकार है।

दून अस्पताल में एक इंजेक्शन से बिना सर्जरी पुराना दर्द होगा छूमंतर, ये इलाज हो रहा शुरू

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों को नसों, मांसपेशियों के पुराने एवं जटिल दर्द से निजात के लिए विशेषज्ञ इलाज मिल जाएगा। यहां पर अल्ट्रासाउंड गाइडेड इंजेक्शन भी दिए जाएंगे, इससे पुराने एवं जटिल दर्द का सटीक इलाज हो सकेगा और सर्जरी नहीं करानी पड़ेगी। यहां पर एम्स ऋषिकेश से आए पीएमआर स्पेशलिस्ट डॉ. राहुल शर्मा ने ज्वाइन कर लिया है और ओपीडी शुरू कर दी है। प्राचार्य डॉ. गीता जैन एवं एमएस डॉ. आरएस बिष्ट के निर्देशन में डॉ. शर्मा पीएमआर विभाग के कार्यकारी एचओडी रहेंगे। वह नस और मांसपेशी से संबंधित समस्याओं जैसे कमर, गर्दन और जोड़ों के दर्द, गठिया, पोस्ट वायरल बदन दर्द, थकान और कमजोरी के उपचार के स्पेशलिस्ट है। इसके

अलावा दर्द से निजात के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड इंजेक्शन भी देंगे, इससे बिना किसी बड़ी सर्जरी के सीधे प्रभावित हिस्से का सटीक इलाज हो जाएगा। इसके लिए अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था प्रबंधन द्वारा की जा रही है। दिव्यांगजनों की विशेष देखभाल और किसी भी गंभीर चोट के बाद होने वाले शारीरिक पुनर्वास भी कराया जाएगा। खिलाड़ियों को भी चोट लगने पर इलाज की पूरी सुविधा मिलेगी। मरीजों को अब इन जटिल समस्याओं के लिए निजी अस्पतालों या ऋषिकेश के चक्कर नहीं काटने होंगे। अस्पताल के दूसरे तल पर छह दिन ओपीडी चलेगी।

बर्न एवं एसएनसीयू में बढ़ेंगे बेडः दून अस्पताल में मरीजों के दबाव को देखते हुए बर्न आईसीयू में दो और बर्न वार्ड में एक नया बेड बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के लिए एसएनसीयू में भी तीन अतिरिक्त बेड एवं वार्मर लगाए जाएंगे।

एक नजर

शोपीस बने पेयजल कनेक्शन, पानी को तरसे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड रिखणीखाल के अंतर्गत ग्राम मैंदणी में हर घर नल-हर घर जल योजना के तहत लगाए गए पेयजल कनेक्शन शोपीस बने हुए हैं। हालात यह है कि पानी के अभाव में ग्रामीणों के कंठ सूख रहे हैं। ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की है। ग्राम प्रधान धीरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि वर्ष 2005-06 में अंदरसौ पंपिंग योजना के तहत ग्रामसभा में 43 पेयजल कनेक्शन दिए गए। लेकिन, एक भी कनेक्शन में पानी मुहैया नहीं हुआ। बताया कि वर्ष 2025 में जल निगम कोटद्वार ने उक्त कनेक्शनों को रेवा-रिखणीखाल पेयजल पंपिंग योजना से जोड़ दिया। लेकिन, इसके बाद भी मात्र 10-12 घरों में पानी आ रहा है। जबकि, अन्य परिवार अब भी पानी को तरस रहे हैं। यही नहीं, पाइपलाइन बिछाने के लिए तोड़े गए मार्ग की मरम्मत तक नहीं की गई है। पानी का फोर्स इतना कम है कि टैंक तीन दिन में भी नहीं भर पा रहा है। बताया कि पूर्व में यह समस्या अधिकारियों के समक्ष भी उठाई गई। लेकिन, अब तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ हुई कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले दो चालकों के वाहनों को सीज कर उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कोटद्वार में 11, धुमाकोट में दो व कालागढ़ में एक चालान काटा गया। कोतवाल प्रदीप नेगी ने बताया कि चेकिंग के दौरान कोतवाली पुलिस टीम ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 02 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उनके वाहनों को सीज किया और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

जर्जर बिजली पोल से दुर्घटना का बना खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : वार्ड संख्या 18 स्थित गणेश बाजार क्षेत्र में जर्जर और क्षतिग्रस्त बिजली पोल लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। इस संबंध में पार्षद ने ऊर्जा निगम को पत्र भेजकर पोल को बदलने की मांग की। पार्षद झाबर सिंह रावत ने सहायक अभियंता एवं अधिशासी अभियंता (विद्युत वितरण उपखंड) को भेजे पत्र में बताया कि गणेश बाजार में बैंक ऑफ बड़ौदा के आसपास तीन बिजली के पोलों के नीचे जंक लग चुका है और वह कभी भी गिर सकते हैं। कई स्थानों पर पोल का सीमेंट टूटकर गिर रहा है, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। कहा कि इससे पहले भी निगम को पत्र भेजकर पोल बदलने की मांग की गई, लेकिन 14 महीने बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने निगम से जल्द से जल्द जर्जर पोल बदलने की मांग की। (एजेंसी)

डंपरों की आवाजाही से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वालः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत नर्सरी रोड पर इन दिनों रेत और पत्थर से भरे डंपरों की भारी आवाजाही से स्थानीय लोग परेशान हैं। सुबह और शाम इन भारी वाहनों के लगातार गुजरने से खतरा बना हुआ है। बेलगाम डंपरों के खौफ से यहां हादसे का खतरा बना हुआ है। स्थानीय रमेश चंद्र थपलियाल, दिनेश, अमित, नाजिम और आशुतोष ने बताया कि नर्सरी रोड पहले से ही संकरी है और मार्ग पर ढलान भी अधिक है। अलकेश्वर घाट की ओर जाने वाले इन डंपरों की गति पर कोई नियंत्रण नहीं है। इस मार्ग से रोजाना चार से पांच स्कूलों के बच्चे गुजरते हैं। डंपरों की तेज रफ्तार से हर समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। शंकर और आनंद भंडारी ने प्रशासन से स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय इस मार्ग पर डंपरों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार का कहना है कि मौके पर पुलिस टीम भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाएगा। यातायात व्यवस्था बाधित न हो और आमजन को परेशानी न हो इसके लिए डंपर चालकों को सख्त निर्देश दिए जाएंगे। (एजेंसी)

23 छात्रों का हुआ राष्ट्रीय कंपनी में चयन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यालय स्थित जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जीबीपीआईईटी) के 23 होनहारों का चयन हाई-टेकनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम प्रा.लि. कंपनी में हुआ है। सभी छात्रों को चार लाख के पैकेज पर चयनित किया गया है। संस्थान के मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के कुल 23 विद्यार्थियों को बीते दिनों हुए प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान चयनित किया गया।

निदेशक प्रो. डॉ. वीके बंगा ने बताया कि चयनितों में सर्वाधिक 10 छात्र मैकेनिकल, 7 इलेक्ट्रॉनिक्स व 6 इलेक्ट्रिकल इंजीनियनिंग विभाग के शामिल रहे। डीन प्रशिक्षण/प्लेसमेंट डॉ. केएस भाटिया, प्रो. डॉ. केकेएस मेर, प्रो. डॉ. संजय गैरोला डॉ. एमके अग्रवाल आदि ने छात्रों की प्रतिभा को सराहनीय बताया।

जुलाई और नवंबर माह में विशेष लोक अदालतों का होगा आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जनपद चमोली में 18 जुलाई, 2026 (तृतीय शनिवार) तथा 21 नवम्बर, 2026 (तृतीय शनिवार) को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चमोली द्वारा जनपद के समस्त न्यायालयों में किया जाएगा। विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर गोपेश्वर सहित बाह्य न्यायालय जोशीमठ, कर्णप्रयाग, थराली, पोखरी एवं गैरसैंण में किया जाएगा। विशेष लोक अदालत में एन0आई0 एक्ट धारा–138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 से संबंधित मामलों का आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

पांच सौ करोड़ की धनराशि से बनेगा बाईपास मार्ग

कौड़िया से होते हुए वन विभाग तिलवाढांग विश्राम गृह के समीप निकलेगा मार्ग

कोटद्वार के सनेह क्षेत्र से प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईपास के लिए तिलवाढांग वन विश्राम के समीप काटे पेड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौड़िया से होते हुए वन विभाग तिलबाढांग विश्राम गृह के समीप तक निकलने वाले बाइपास मार्ग पर करीब पांच सौ करोड़ रुपये की धनराशि खर्च होगी। छः किलोमीटर लंबे इस बाईपास का अधिकांश हिस्सा ऐलीवेटेड होगा। मार्ग बनने से शहर के बीच वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। साथ ही जनता को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। बाईपास मार्ग निर्माण के दौरान खोह नदी पर पुल का निर्माण भी किया जाएगा।

कोटद्वार नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग वर्तमान में नगर के मध्य से गुजर रहा है। अतिक्रमण के चलते राजमार्ग काफी संकरा हो गया है। इस कारण राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने राजमार्ग को नगर के बाहर से निकालने की योजना बनाई। इसके लिए कौड़िया से सनेह क्षेत्र होते हुए राजमार्ग को सिद्धबली मंदिर से पहले मौजूदा राजमार्ग से जोड़ा जाना है। कौड़िया से राष्ट्रीय राजमार्ग काशीरामपुर तल्ला, नाथूपुर, विशनपुर, जीतपुर, रतनपुर, ग्रास्टनगंज, कोटद्वार गांव होते हुए वन विभाग के तिलवाढांग वन विश्राम गृह के समीप से मौजूदा सड़क पर जाकर मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईपास निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही जोरों पर है। साथ ही विभाग ने राजस्व भूमि पर पेड़ कटान का कार्य भी शुरू कर दिया है। बाईपास राजमार्ग निर्माण के दौरान विभिन्न प्रजातियों के 98 पेड़ काटे जाने हैं, जिनके कटान की अनुमति राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग पूर्व में ही ले चुका है। वर्तमान में तिलवाढांग वन विश्राम गृह के समीप पेड़ों का कटान किया जा रहा है।

हाईवे पर लग रहा जाम

वर्तमान में वन विभाग कार्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेड़ कटान का कार्य चल रहा है। जिसके कारण जाम की स्थिति बन रही है। बाईपास निर्माण के लिए लगातार पेड़ों का कटान हो रहा है। हालांकि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मौके पर वन कर्मियों की तैनाती भी की गई है। इसके लिए जनता से भी सहयोग की अपील की जा रही है।

जयंती पर रवींद्र नाथ टैगोर को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती पर सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को रवींद्र नाथ टैगोर की जीवनी के बारे में बताया गया। कहा कि बेहतर समाज निर्माण के लिए दिए गए टैगोर के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ ने रवींद्र नाथ टैगोर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर एक महान कवि, उपन्यासकार, नाटककार व संगीतकार थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर पहचान दिलवाई। 1913 में गीतांजलि के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। टैगोर ने जन-गण मन और आमार सोनार बांग्ला जैसे राष्ट्रगीतों की रचना की। शिक्षक प्रयागदत्त चमोली ने रवींद्र नाथ टैगोर की कविताओं का वाचन भी किया। कहा कि हम सभी को महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। एक बेहतर सोच ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकती है। इस मौके पर योगेश नेगी, गीता रावत, अंचल कुमार अग्रवाल, सुनीता पंत, अंजू चमोली, कीर्ति द्विवेदी, श्रेया चौधरी, दीक्षा, पूजा चतुर्वेदी, हेमा पांडेय आदि मौजूद रहे।

छात्रों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

राइंकॉ जयदेवपुर सिगड्डी में छात्रा को एल्बेंडाजोल की गोली देते हुए शिक्षक।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर सिगड़डी में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पेट में होने वाले कृमि संक्रमण (कीड़े) से बचाना तथा उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को दवा के महत्व और स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया।

यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय ध्यानी के मार्गदर्शन, भौतिक विज्ञान प्रवक्ता राजेंद्र कुमार, जीव विज्ञान प्रवक्ता दीपक लखेड़ा के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि एल्बेंडाजोल की गोली बच्चों के शरीर में मौजूद हानिकारक कृमियों को समाप्त करने में सहायक होती है। पेट में कीड़े होने से बच्चों में कमजोरी, भूख कम लगना, थकान, खून की कमी तथा पढ़ाई में ध्यान न लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस दवा के सेवन से बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होता है, पोषण सही प्रकार से शरीर को मिलता है तथा उनकी शारीरिक और मानसिक वृद्धि में सहायता मिलती है। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को स्वच्छता बनाए रखने, हाथ धोने तथा साफ भोजन ग्रहण करने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर निगम की मुहिम पर वन विभाग का ब्रेक, बंदर पकड़ने से किया इंकार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन बेस अस्पताल में बंदरों के काटने से घायल हुए लोग पहुंच रहे हैं। बंदरों के आतंक से निजात दिलवाने के लिए कुछ माह पूर्व नगर निगम ने उन्हें पकड़ने के लिए अभियान चलाया था। लेकिन, अब वन विभाग के जिन बाड़ों में बंदरों को छोड़ा जाता था, वह बाड़े फुल हो चुके है। ऐसे में वन विभाग ने निगम की ओर से पकड़े जाने वाले बंदरों को बाड़े में रखने से इंकार कर दिया है।

कोटद्वार शहर में घूमते बंदर

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां उत्पाती बंदर के झुंड न दिखाई दें। हालात यह हैं कि दिन हो अथवा रात, बंदरों का शोर हर वक्त सुनाई देता है। बंदरों के कारण वार्डवासियों का अपने घरों की छत पर कपड़े व अनाज सुखाना भी मुश्किल हो गया है। संपन्न लोगों ने छत को टिन शेड व जालियों से कवर कर दिया है, ताकि बंदर नुकसान न कर पाए। बंदरों के डर से बच्चों ने घर के बाहर खेलना भी छोड़ दिया है। राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में भी प्रतिदिन दो-तीन ऐसे मामले आते हैं, जो बंदरों के हमले में घायल होते हैं। क्षेत्र में बंदरों की इस समस्या को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने बंदरों को पकड़ने के लिए बाकायदा अभियान भी चलाया। अभियान के तहत अलग-अलग वार्डों से बंदरों को पकड़ उन्हें वन विभाग के बाड़ों में छोड़ दिया गया। लेकिन, अब वन विभाग के बाड़ों में क्षमता से अधिक बंदर रख दिए गए हैं। जिस कारण महकमे ने बंदर रखने से इंकार कर दिया है। वन विभाग की इंकार के बाद अब नगर निगम ने भी फिलहाल बंदर पकड़ने की मुहिम रोक दी है।

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के वाहन समूह में छः इलेक्ट्रिक वाहन शामिल

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए छः इलेक्ट्रिक वाहनों को सेंटर के वाहन समूह में शामिल किया गया। यह पहल ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के मार्गदर्शन में की गई।

नव सम्मिलित वाहनों में 3 इलेक्ट्रिक कार, 2 इलेक्ट्रिक टेम्पो तथा 1 ई-कार्ट शामिल है। इन वाहनों के उपयोग से न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि प्रदूषण में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इन वाहनों का उपयोग सेंटर के प्रशासनिक एवं दैनिक कार्यों के अतिरिक्त पूर्व सैनिकों तथा वीर नारियों की सुविधाओं के लिए किया जाएगा, जिससे कार्यक्षमता, सुगमता एवं सेवा गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर सेंटर कमांडेंट ने कहा कि भारतीय सेना सदैव आधुनिक तकनीक एवं पर्यावरण के अनुकूल उपायों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों का समावेश भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक सकारात्मक एवं दूरदर्शी कदम है। कमांडेंट ने सभी को पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा बचत के प्रति जागरूक रहने का भी संदेश दिया। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा की गई यह पहल ह्लग्रीन एवं स्वच्छ कैंटह्न की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि समाज में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के प्रति जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मार्ग निर्माण के लिए अब सप्ताह में एक दिन होगा धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : चिलरखाल-लालढांग मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए चल रहा धरना प्रदर्शन अब साप्ताहिक कर दिया गया है। मार्ग निर्माण संघर्ष समिति और प्रदर्शनकारियों की चिल्लरखाल में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि मौसम में आए अचानक बदलाव तेज तूफान, बारिश से हर दिन धरना प्रदर्शन में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं, जिससे इसे सप्ताह में हर रविवार को करने का निर्णय लिया गया है। मदन सिंह नेगी ने कहा कि मौसम को देखते हुए आंदोलन की रूपरेखा में बदलाव किया गया है। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर रविवार को धरना स्थल पर सभा की जाएगी और बाकी दिन जन संपर्क करेंगे। संघर्ष समिति के संयोजक रविंद्र सौंद ने कहा कि एलिवेटेड के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए आंदोलन जारी रखा जाएगा। क्षत्रिय उत्थान संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने कहा कि लालढांग मार्ग राज्य की सीमा के भीतर से हरिद्वार आवाजाही का एकमात्र मार्ग है। जनता को संगठित होकर इसके लिए आगे आने की जरूरत है।

आज लैंसडौन पहुंचेंगे राज्यपाल, झील का करेंगे लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) शुक्रवार को लैंसडौन का दौरा करेंगे। वे यहां युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और गौरव सेनानी झील का भी लोकार्पण करेंगे। पुलिस प्रशासन के अनुसार राज्यपाल आठ मई को सुबह करीब 10: 15 बजे सेना के परेड मैदान पहुंचेंगे। वे युद्ध स्मारक में वीर सैनिक की प्रतिमा पर शहीदों का स्मरण कर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद, वे सैनिक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। राज्यपाल भुल्ली सशक्तीकरण केंद्र, भुल्ला ताल सहित अन्य सैन्य स्थलों का भी भ्रमण करेंगे व गौरव सेनानी झील का लोकार्पण भी करेंगे। गौरव सेनानी झील गढ़वाल राइफल्स के प्रयासों से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के निकट बनाई गई है। यह झील वीर गढ़वाली सैनिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित है। इसका उद्देश्य बरसात के पानी का संरक्षण करना है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/ मुख्यालय/ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

Tender No. Date	42-DRM-MB-26-27 dt. 07.05.2026		
Name of work	Improvement to staff quarters amenities in south colony under ADEN/HQ/MB.		
Tender Closing Date	01.06.2026	Advertised Value	₹2,33,81,332.71
Earnest Money	₹4,67,600.00	Tender Cost	₹00
Bidding Start Date	18.05.2026	Period of Completion	6 Months

पत्रांक - 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 07.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1527/2026

उत्तर रेलवे

विज्ञापन सूचना / ATVM–सुविधादाता–2017 / MB–मुरादाबाद मंडल में ATVM के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु एक वर्ष के लिए सुविधादाताओं की नियुक्ति के संबंध में

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुरादाबाद मंडल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों, सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के जीवनसाथी / पुत्र / पुत्री और आम जनता से, मुरादाबाद मंडल के स्टेशनों पर स्थापित स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु **27 रेलवे स्टेशनों पर सुविधादाताओं की नियुक्ति** के लिए आवेदन आमंत्रित करते हैं। **स्टेशनों और प्रत्येक स्टेशन के लिए नियुक्त किए जाने वाले सुविधादाताओं की संख्या नीचे दी गई है:**

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	कोड	ATVM पर नियुक्त किए जाने वाले सहायकों की संख्या	स्टेशन की श्रेणी	जमा की जाने वाली सुरक्षा राशि
1	देहरादून	DDN	10	NSG-2	सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के लिए, तथा सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के जीवनसाथी / पुत्र / पुत्री के लिए यह राशि 'शून्य' (NIL) है। आम जनता के लिए ₹ 50,000/-
2	हरिद्वार	HW	6	NSG-2	
3	मुरादाबाद	MB	5	NSG-2	
4	हरदोई	HRI	6	NSG-3	सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के लिए, तथा सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के जीवनसाथी / पुत्र / पुत्री के लिए यह राशि 'शून्य' (NIL) है। आम जनता के लिए ₹ 25,000/-
5	रूड़की	RK	4	NSG-3	
6	रामपुर	RMU	5	NSG-3	
7	शाहजहांपुर	SPN	1	NSG-3	
8	योग नगरी ऋषिकेश	YNRK	5	NSG-3	
9	चंदौसी	CH	1	NSG-4	
10	हापुड़	HPU	3	NSG-4	
11	नजीबाबाद	NBD	4	NSG-4	
12	ऋषिकेश	RKSH	1	NSG-4	
13	आंझी शाहाबाद	AJI	3	NSG-5	
14	अमरोहा	AMRO	2	NSG-5	
15	आंवला	AO	2	NSG-5	
16	बिजनौर	BJO	1	NSG-5	
17	बालामऊ	BLM	2	NSG-5	
18	चांदपुर स्याऊ	CPS	1	NSG-5	
19	धामपुर	DPR	2	NSG-5	
20	गजरौला	GJL	1	NSG-5	
21	लक्सर	LRJ	4	NSG-5	
22	नगीना	NGG	1	NSG-5	
23	पिलखुआ	PKW	2	NSG-5	
24	संडीला	SAN	2	NSG-5	
25	पीताम्बरपुर	PMR	1	NSG-6	
26	रोजा	ROZA	3	NSG-6	
27	सीतापुर शहर	SPC	2	NSG-6	
	TOTAL		80		

आवेदन आमंत्रित करने के लिए सामान्य शर्तें, आवेदन पत्र, पात्रता मानदंड, कार्यकाल, चयन प्रक्रिया और कार्यप्रणाली आदि उत्तरी रेलवे की वेबसाइट **https://nr.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड किए जा सकते हैं। इन्हें किसी भी कार्य दिवस पर 07.05.2026 से 31.05.2026 तक, 10:00 बजे से 17:00 बजे के बीच, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद – 244001 के कार्यालय से भी प्राप्त किये जा सकते हैं। **आवेदन 01.06.2026 को 10:00 बजे से 15:00 बजे के बीच एक सीलबंद लिफाफे में सहायक वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद – 244001, कार्यालय में स्वीकार किए जाएंगे, और उसी दिन 15:30 बजे आवेदकों की उपस्थिति में खोले जाएंगे।** यदि निविदा खोलने वाले दिन अवकाश घोषित हो जाता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जाएगी।

No. 01/ATVM/एमबी/सुविधा/2017C दिनांक: 07.05.2026 1535/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु0)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय
1.	09 / वरिष्ठ मं.वि.अभि. / सा. / मुरा. / 2026 संशोधितः विभिन्न खंडों में स्टेशन के सिग्नलिंग उपकरणों को बिजली आपूर्ति बढ़ाने के लिए सीएलएस पैनल और एरियल बंच केबल की व्यवस्था करने के लिए विद्युत कार्य एवं एडीन / एचडब्ल्यू के अंतर्गत एचडब्ल्यू में डीएमओ / एचडब्ल्यू के लिए नए टाइप–IV स्टाफ क्वार्टर के निर्माण हेतु विद्युत कार्य।	33648506.36 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद	673000.00	12 (बारह) माह	निविदाएँ दिनांक 28.05.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद।					

निविदा सूचना सं0: 14 / 2026 दिनांक: 06.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1520/26

संपादकीय

पर्यटन पर भारी परिवहन व्यवस्था

उत्तराखंड में यात्रा और पर्यटन सीजन शुरू हो चुका है जिसकी बानगी फिलहाल चार धाम यात्रा मार्ग पर देखने को मिल रही है लेकिन अभी राज्य के पर्यटक स्थल पर्यटकों से खाली पड़े हुए हैं। इसका मुख्य कारण स्कूलों में अवकाश शुरू न होना है और निश्चित तौर पर मैं जून में ग्रीष्म अवकाश शुरू होने के साथ ही प्रदेश के पर्यटक स्थल भी गुलजार होते नजर आएंगी, तो इसके साथ ही चार धाम यात्रा में भी यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इसके बाद शुरू होगा राज्य की परिवहन व्यवस्था की परीक्षा का क्रम। अगले कुछ दिनों में चार धाम यात्रा खास तौर से केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम में यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होने वाली है। यात्रा मार्ग पर वाहनों की बढ़ती हुई भीड़ आने वाले समय की चुनौती पूर्ण व्यवस्थाओं का संकेत देने लगी है। हालांकि राज्य सरकार ने चार धाम यात्रा से पहले ही वाहनों की परिवहन व्यवस्था एवं पार्किंग को लेकर व्यापक प्रबंध करने का दावा किया है लेकिन इससे पहले भी देखा गया है कि यात्रियों की भीड़ बढ़ने के साथ ही यह सभी व्यवस्थाएं नाकाफी साबित होती आई हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद भी जाम एवं पार्किंग की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है और सबसे बड़ी चिंता का कारण तो तब शुरू होगा जब चार धाम यात्रा के साथ–साथ गढ़वाल एवं कुमाऊंके पर्यटक स्थलों पर भी यात्रियों का आना–जाना शुरू होगा। प्रदेश के मुख्य पर्यटक स्थलों पर खास तौर से नैनीताल एवं मसूरी में पार्किंग का क्या हाल है यह छिपा हुआ नहीं है। हर वर्ष वाहनों की भारी संख्या जिला प्रशासन के लिए नाकों चने चबाने जैसा साबित होता आया है। पार्किंग की व्यवस्था करने के बावजूद अभी भी सैकड़ो हजारों वाहन मार्ग पर फंसे रहते हैं, जिन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए घंटा तो कई बार 1 से 2 दिन तक भी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। पर्यटक स्थलों की अपनी एक सीमा है और इससे अधिक यदि वहां यात्रियों का आवागमन होता तो निश्चित तौर पर व्यवस्थाएं बिगड़नी ही है। इसके लिए सबसे बेहतर उपाय यही है कि सरकार और जिला प्रशासन यात्रियों के पंजीकरण को न केवल चार धाम यात्रा बल्कि पर्यटक स्थलों के लिए भी सुनिश्चित करें साथ ही वाहनों की संख्या को भी नियंत्रित करना बेहद जरूरी होगा ताकि पर्यटक स्थलों पर अव्यवस्थाओं का नजारा देखने को ना मिले। निश्चित तौर पर चार धाम यात्रा और यात्रा सीजन के लिए तमाम कोशिश से एवं रोड मैप तैयार करने के बावजूद भी बुनियादी व्यवस्थाएं पटरी पर नहीं आ पा रही हैं। अभी चार धाम यात्रा की शुरुआत है और आने वाले दिनों में यात्रियों का सैलाब बद्रीनाथ एवं केदारनाथ दर्शन करने आएगा तो साथ ही हेमकुंड साहिब के कपाट खोलने के बाद भी श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए जिला प्रशासन की तैयारी क्या रंग दिखाती है यह अगले कुछ दिनों में सामने आ जाएगा।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्[illegible] जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मा[illegible] आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंच[illegible] महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रह[illegible] विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर [illegible] स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस [illegible] 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में ज[illegible] जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी [illegible] में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने [illegible] वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय [illegible] उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशक [illegible] लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने [illegible] यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जि[illegible] कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीम[illegible] से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जात[illegible] रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड [illegible] अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तम[illegible] दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेड[illegible] तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जात[illegible] रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृ[illegible] आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें [illegible] पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेड[illegible] का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा [illegible] एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे हृहृपीठ में छूरा घोंपनाहृहृ बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक[illegible] यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो [illegible] आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रख[illegible] क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या [illegible] सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐ[illegible] देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता [illegible] फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विज[illegible] साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहा[illegible] बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमु[illegible] साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के [illegible] वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समी[illegible] ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृ[illegible] देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावह[illegible] राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उ[illegible] भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और स[illegible] भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। [illegible] ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क[illegible] उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खे[illegible] खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल [illegible] है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्त[illegible] विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतन[illegible] है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय [illegible] कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक न[illegible] की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

जितनी बड़ी जीत भरोसे पर खरा उतरने की उतनी बड़ी चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था। 2011 में वाम शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बंगाल की राजनीति को अपनी शैली, अपनी भाषा और अपने संगठन के बल पर चलाया। लेकिन इस बार के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। मतदाता जब बदलाव का मन बना लेता है, तो सबसे मजबूत शासन भी कमजोर पड़ सकता है। मतगणना के बाद अनुसार भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस काफी पीछे रह कर सिर्फ 81 सीट पर जीत हासिल कर सकी है । बंगाल का राजनीतिक इतिहास संघर्ष, विचारधारा और जनभावना से भरा रहा है। कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत किला रहे इस राज्य में बाद के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई। ममता बनर्जी ने लंबे समय तक खुद को बंगाल की जनता की आवाज के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर सत्ता को परखती है और आवश्यकता पड़ने पर बदलाव का निर्णय भी करती है। इस चुनाव में सामने आए रुझान बताते हैं कि जनता ने विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर गंभीरता से मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम अभूतपूर्व है, क्योंकि जिस राज्य में कभी पार्टी की उपस्थिति सीमित मानी जाती थी, वहां बहुमत की दहलीज तक पहुंचना संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर की तैयारी और राजनीतिक रणनीति की सफलता को दशार्ता है। भाजपा ने पिछले वर्षों में बंगाल के ग्रामीण इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, चाय बागान क्षेत्रों, मतुआ समाज, आदिवासी इलाकों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश की। इस चुनाव में उस मेहनत का असर रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय है। हकिकत यह कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबे समय तक सत्ता में बने रहना एक बड़ी चुनौती होता है। समय के साथ सत्ता के प्रति जनता की अपेक्षाएं बढ़ती हैं। यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर लोगों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो असंतोष धीरे-धीरे जनादेश में बदल जाता है। बंगाल में भी एंटी-इंकंवेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रतीत होती है। तृणमूल के कई मजबूत नेताओं की हार या पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय प्रदर्शन और जनसंपर्क के आधार पर भी मतदान किया है। इस बदलाव की पहली बड़ी वजह मतदाता सूची की पुनर्समीक्षा रही। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद राज्य की मतदाता सूची से करीब 91 लाख नाम हटाए गए है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में बड़ी संख्या में नाम हटे, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस के मजबूत इलाकों में गिना जाता रहा है। चुनाव आयोग की दृष्टि से यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका असर बहुत गहरा दिखाई दिया। टीएमसी का पारंपरिक सामाजिक समीकरण कमजोर पड़ा और भाजपा को इसका लाभ मिला। दूसरी अहम वजह बंगाली अस्मिता की लड़ाई रही। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा को बाहरी बताकर बंगाल की की संस्कृति, भाषा और खानपान से जोड़कर राजनीति करती रही हैं। लेकिन भाजपा ने इस बार इस प्रतीक को अपने खिलाफ हथियार बनने नहीं दिया। उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि उसका हिंदुत्व बंगाल की संस्कृति से टकराता नहीं, बल्कि बंगाल की शाक्त परंपरा, मां काली की उपासना और स्थानीय जीवनशैली के साथ चल सकता है। यही वह मोड़ था जहां ममता बनर्जी का सांस्कृतिक एकाधिकार कमजोर पड़ा। तीसरी वजह पहचान और ध्रुवीकरण की राजनीति रही। बंगाल में पहले भी धार्मिक पहचान चुनावी विमर्श का हिस्सा रही है, लेकिन इस बार भाजपा ने इसे अधिक आक्रामक ढंग से उठाया। तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए भाजपा ने हिंदू मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश की। काली बनाम काबा जैसे नारों ने चुनावी बहस को भावनात्मक और धार्मिक पहचान की दिशा में मोड़ दिया। यह राजनीति विवादास्पद हो सकती है, लेकिन चुनावी दृष्टि से इसका असर साफ दिखा। जिन इलाकों में हिंदू मतों का बिखराव था, वहां भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में संगठित करने में सफलता पई। चौथी वजह युवा मतदाताओं की आकांक्षा रही। बंगाल का एक बड़ा युवा वर्ग पिछले पंद्रह वर्षों से तृणमूल शासन के वातावरण में बड़ा हुआ। इस पीढ़ी के सामने सवाल केवल नकद सहायता योजनाओं या स्थानीय लाभों का नहीं था, बल्कि रोजगार, उद्योग, निवेश और बेहतर भविष्य का था। भाजपा ने सोनार बांग्ला और डबल इंजन सरकार के नारे के जरिए इसी आकांक्षा को छुआ। यह संदेश दिया गया कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से निवेश, आधारभूत ढांचा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मतुआ समुदाय के बीच नागरिकता के मुद्दे को उठाकर भाजपा ने एक और महत्वपूर्ण सामाजिक आधार को अपने पक्ष में मजबूत किया। पांचवीं वजह कांग्रेस और वाम दलों की राजनीतिक अनुपस्थिति रही। बंगाल की राजनीति कभी वामपंथ का गढ़ थी। कांग्रेस भी लंबे समय तक राज्य में प्रभावशाली रही। लेकिन इस चुनाव में मुकाबला लगभग सीधे भाजपा और टीएमसी के बीच सिमट गया। जब तीसरी ताकत कमजोर हो जाती है, तो सत्ता विरोधी वोट सीधे सबसे मजबूत विपक्षी दल को मिलते हैं। भाजपा को यही लाभ मिला। 2021 में जिन सीटों पर भाजपा मामुली अंतर से हार गई थी, इस बार वोट स्विंग ने उन सीटों को उसके पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि इस जनादेश को केवल भाजपा की जीत और तृणमूल की हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह बंगाल के मतदाता का संदेश भी है कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन वे शासन की कमियों, रोजगार की कमी, भ्रष्टाचार के आरोपों और संगठनात्मक अहंकार की भरपाई हमेशा नहीं कर सकीं। ममता बनर्जी ने बंगाल को वाम शासन से बाहर निकालकर नई दिशा दी थी, लेकिन लंबी सत्ता अपने साथ थकान भी लाती है। सत्ता जब संगठन से बड़ी हो जाती है, तो जनता विकल्प तलाशने लगती है। भाजपा के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। बंगाल केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, बौद्धिक और राजनीतिक चेतना की भूमि है। यहां शासन करना केवल बहुमत से संभव नहीं होगा। भाजपा को यह साबित करना होगा कि वह बंगाल की भाषा, संस्कृति, विविधता और सामाजिक संतुलन का सम्मान करते हुए विकास का मौडल दे सकती है। यदि वह केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रही, तो यह जनादेश जल्द ही चुनौती में बदल सकता है। बंगाल का यह चुनाव बताता है कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता चुप रहती है, देखती है, परखती है और समय आने पर फैसला सुनाती है। 2026 के इसी फैसले की गूंज हैं। यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।बंगाल की सत्ता में आने पर भाजपा की जिम्मेदारी है कि उसे अपने कार्यकताओं को टीएमसी सरीखा बनने से बचाना है और इस विशाल जनमत का सम्मान करते हुए प्रदेश के विकास और भविष्य की दिशा में काम करना है ताकि बंगाल के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी बने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार, केसी पुच को प्राइमरी चुनाव में हराया

कोलंबस (ओहायो), एजेंसी। भारतीय मूल के उद्यमी और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक विवेक रामास्वामी ने मंगलवार को ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया है। प्राइमरी चुनाव के अनौपचारिक नतीजों के अनुसार, उन्होंने कार डिजाइनर केसी पुच को हराकर अपनी जगह पक्की की। अब वह रस्ट बेल्ट के इस महत्वपूर्ण प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा होंगे। बायो-टेक एंटरप्रेन्योर विवेक रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। हालांकि वे प्राइमरी में हार गए थे, लेकिन उस अभियान ने उन्हें पूरे अमेरिका में एक प्रभावशाली वक्ता और नेता के रूप में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन किया और अब वे उनके आशीर्वाद के साथ ओहायो की राजनीति में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आम चुनाव में रामास्वामी का सामना डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से होगा। एमी एक्टन ओहायो की पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक रही हैं और वे अपनी पार्टी की ओर से निर्विरोध चुनी गई हैं। रामास्वामी ने अपने प्रचार के दौरान एमी एक्टन की स्वास्थ्य नीतियों और 'कोविड विचारधारा' पर तीखे हमले किए हैं। ओहायो के वर्तमान गवर्नर माइक डीवाइन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और वे नियमों के कारण दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। रामास्वामी की इस जीत ने ओहायो की राजनीति में एक नए युग का संकेत दिया है। रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि रामास्वामी की युवा ऊर्जा और ट्रंप के समर्थकों का आधार उन्हें नवंबर में होने वाले आम चुनाव में जीत दिलाएगा।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारिबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामारिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारिबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है। जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकुजटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान, जारी रहेगी नाकेबंदी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (लोकल टाइम) को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया. साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि ईरान के पोर्ट्स पर नाकेबंदी जारी रहेगी. 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का मकसद खाड़ी में बढ़ते क्षेत्रीय टेंशन के बीच होर्मुज स्ट्रेट में फंसे कमर्शियल जहाजों को निकलने में मदद करना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के अनुरोध के बाद लिया गया, जो वाशिंगटन और तेहरान और दूसरे देशों के बीच शांति समझौते के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहा है. ट्रंप ने आगे दावा किया कि यह फैसला ईरान के खिलाफ कैंपेन के दौरान मिली बड़ी मिलिट्री बढ़त और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ संभावित समझौते की दिशा में हुई प्रगति के बाद लिया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह रोक इसलिए लगाई गई थी ताकि यह देखा जा सके कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एग्रीमेंट को फाइनल किया जा सकता है या नहीं और उस पर साइन किया जा सकता है या नहीं. पोस्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान और दूसरे देशों की रिक्वेस्ट के आधार पर ईरान देश के खिलाफ कैंपेन के दौरान हमें जो जबरदस्त मिलिट्री कामयाबी मिली है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं?: स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में उठे बगावत के सुर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही 'रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें' रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं

होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी : जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं। स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा? जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे। ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं? दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी। अब पुरानी राजनीति खत्म हो रही है और बदलाव तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 घायल, पुलिस ने हमलावर को किया अरेस्ट

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में एक माल में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 लोगों के घायल होने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। यह दर्दनाक घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को घटी है। एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक से वहां मौजूद पांच लोगों पर ताबड़तोड़ तरीके से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस भयानक और हिंसक वारदात में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस हमले के मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था बल्कि एक सोची-समझी साजिश लग थी। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच कोई पुराना विवाद था। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया है और पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी सुरक्षा की जा रही है। घातक हमले की क्या है असली वजह? कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने बताया कि यह सभी लोग किसी खास व्यावसायिक मीटिंग के लिए मिले थे। हमले का असली मकसद अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन आपसी रंजिश की बड़ी आशंका जताई है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर इस हिंसक वारदात को अंजाम देने की असली वजह क्या थी। यह दिल दहला देने वाली घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध के टाउन प्लाजा में घटी है। यह प्लाजा डलास शहर से करीब 32.1 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां हमेशा लोगों की काफी ज्यादा भीड़ रहती है। अचानक गोलीबारी की आवाज सुनते ही पूरे प्लाजा में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई पुलिस अधिकारी प्लाजा के अंदर हथियारों के साथ तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। इस बड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है। अन्य कई संघीय जांच एजेंसियां भी इस बड़े मामले की जांच करने में स्थानीय प्रशासन की मदद कर रही हैं। कारोबार के विवाद में किया हमला स्थानीय पुलिस के अनुसार व्यावसायिक मीटिंग के दौरान ही किसी बात को लेकर इन लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी गंभीर विवाद के चलते हमलावर ने गुस्से में आकर अपने ही साथियों पर जानलेवा फायरिंग करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस पूरे मामले की सच्चाई का पूरी तरह पता चल सके।

खैबर पख्तूनख्वा में मौलाना की हत्या, लोग सड़कों पर उतरे, हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

इस्लमाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रसिद्ध मौलाना मोहम्मद इदरीस की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से गोलीमार कर हत्या कर दी है। इस भयानक हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और लोग भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। जेयूआई-एफ के नेता मौलाना इदरीस पार्टी प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बेहद करीबी माने जाते थे। पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने इस पूरी घटना को टारगेट किलिंग करार देते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मौत की खबर फैलते ही आक्रोशित समर्थकों ने चारसादा शहर में मार्च निकालकर मुख्य सड़कों को पूरी तरह जाम कर दिया। हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर फारूक-ए-आजम चौक पर लोगों ने बड़ा धरना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने की मौलाना की हत्या, जांच जारी काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट और पुलिस की संयुक्त जांच टीम ने बताया कि चार आतंकवादियों ने मिलकर मौलाना को निशाना बनाया। सेफ सिटी कैमरों की मदद से इन सभी संदिग्ध हमलावरों की तस्वीरें निकाल ली गई हैं और आगे की पहचान की जा रही है। पुलिस इन सभी आतंकवादियों को जल्द पकड़ने के लिए कई अहम ठिकानों पर लगातार भारी छापेमारी कर रही है। मौलाना इदरीस के परिवार में इस तरह का यह पहला भयानक हमला नहीं है, इससे पहले भी उनके ससुर की जान जा चुकी है। उनके ससुर और प्रसिद्ध विद्वान मौलाना हसन जान की भी साल 2007 में आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने उस समय देश में सशस्त्र संघर्ष का भारी विरोध किया था जिसके कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दुखद हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी कायरतापूर्ण हरकतें पूरे देश का मनोबल किसी भी कीमत पर बिल्कुल नहीं गिरा सकती हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने भी इस बड़े हमले की कड़ी निंदा की है। अवामी नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर अमेरिकी विदेश मंत्री का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल-पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इज़राइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी

को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने - कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं... राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा। हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, 'उनके लिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार-बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है।' उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और

असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके। बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिसमें तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, वरिष्ठ कमांडरों और नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ, जिसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई, लेकिन वह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। फिलहाल, अमेरिका और ईरान लगातार समझौते के तहत युद्धविराम को जारी रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। अराघची की यह पहली चीन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था : अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन

के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा : कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव

रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं। प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसी कारण कई सरकारें फिटनेस, खेल और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रही हैं।

डायबिटीज के मरीज पर दवा जैसा असर करता है ये काला फल

गुठली से लेकर पत्ते तक हैं फायदेमंद

गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

डायबिटीज में जामुन का उपयोग

पहला तरीका– जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी बनाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका– करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें। तैयाप मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका– 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें। अब इस पानी को दिन में 3 बार पिएं। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

चौथा तरीका– जामुन की छाल का उपयोग भी शुगर को कम करने के लिए किया जाता है। इसके लिए जामुन की छाल को को पीसकर राख बना लें। 625 मिलीग्राम से 2 ग्राम तक की मात्रा में राख का सेवन रोजाना करें। इससे मधुमेह को कम करने में मदद मिलेगी।

हेल्दी लिवर के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

लिवर हमारे शरीर का एक बहुत ही जरूरी अंग है, जो डिटॉक्सिफिकेशन, पाचन और ऊर्जा संग्रहण जैसे काम करता है। लीवर समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विषहरण, चयापचय और पोषक तत्वों के भंडारण जैसे आवश्यक कार्य करता है। यदि आप लिवर को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं, तो कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

हेल्दी लिवर के लिए फायदेमंद फूड्स :

लहसुन

लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसमें एलिसिन और सेलेनियम होता है, जो लिवर को साफ करता है। लीवर के स्वास्थ्य के लिए लहसुन से लाभ उठाने के लिए, इसे कच्चा, खाली पेट खाना सबसे अच्छा है, या इसे भोजन में शामिल करें। कच्चे लहसुन में एलिसिन होता है, जो एक यौगिक है जिसे खाना पकाने के दौरान पतला किया जाता है। प्रतिदिन 1–2 कच्चे लहसुन की कलियाँ या भोजन में 2–4 कलियाँ खाने की सलाह दी जाती है।

चुकंदर

चुकंदर खून को साफ करता है और लिवर फंक्शन को बेहतर करता है। इसमें बीटालाइन्स होते हैं, जो डिटॉक्स प्रक्रिया को सपोर्ट करते हैं। लीवर को स्वस्थ रखने के लिए चुकंदर को कच्चा, पकाकर या जूस के रूप में खाया जा सकता है। चुकंदर का जूस, खास तौर पर कच्चा, एंटीऑक्सीडेंट और बीटाइन का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो लीवर को डिटॉक्सीफाई करने और इसके कामकाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियाँ

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों—ये शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती हैं। ये लिवर में बाइल (पित्त) प्रोडक्शन को बढ़ाती हैं। पत्तेदार सब्जियों को कच्चा या पकाकर खाया जा सकता है और इन्हें संतुलित आहार का हिस्सा होना चाहिए। आप इन्हें सलाद, स्मूदी या साइड डिश के रूप में शामिल कर सकते हैं। इन्हें भाप में पकाने, भूनने या तलने से इनका स्वाद और भी कोमल हो जाएगा।

एवोकाडो

एवोकाडो ग्लूटाथियोन नामक एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है, जो लिवर की सफाई करता है। एवोकाडो को कई तरह से खाया जा सकता है, जैसे कि टोस्ट पर फैलाकर डिप, सलाद या स्मूदी में इस्तेमाल करना। पौष्टिक और सेहतमंद नाश्ते या स्नैक के लिए मैश किए हुए एवोकाडो की एक पतली परत पूरे गेहूं के टोस्ट या क्रैकर्स पर फैलाएँ। अतिरिक्त स्वाद के लिए नींबू का रस निचोड़ें और काली मिर्च छिड़कें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन्स होते हैं, जो लिवर के फैट को कम करने में मदद करते हैं। ग्रीन टी के नियमित सेवन से सीरम एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज और एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज का मान कम हो जाएगा। लिवर के स्वास्थ्य के लिए, 1–2 कप ग्रीन टी पियें और फैटी लिवर को बढ़ने से रोकने के लिए दूध और चीनी मिलाने से बचें।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

पेट के लिए सबसे अच्छी मानी जाती हैं ये 5 चीजें

खाना का सीधा और सबसे पहले असर हमारी सेहत पर पड़ता है। हम जो भी खाते हैं वो पेट में जाकर पूरे शरीर में पहुंचता है। इसलिए खानपान पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में सबसे ज्यादा हमारा खाना बिगड़ा है। डाइट में जंग फूड, मैदा, चीनी, नमक की मात्रा बढ़ी है। खाने में केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स की मिलावट होने लगी है। पैक्ड फूड का सेवन बढ़ा है, जो सेहत के लिए सबसे ज्यादा घातक है। अगर आप ज्यादा तीखा और चटपटा खाते हैं या ज्यादा तला भुना भोजन खाते हैं इससे पेट खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जो पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन चीजों को पेट के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। जानिए खाने में ऐसी क्या चीजें शामिल करनी चाहिए, जिससे पेट की सेहत और पाचन दुरुस्त हो।

पेट के लिए वरदान हैं ये 5 चीजें

दही– गट हेल्थ को बेहतर बनाने वाला सबसे अच्छा फूड है दही। रोजाना दही का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दही खाने से पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं। सुबह और दोपहर के खाने में दही को शामिल करना सबसे अच्छा माना जाता है।

साबुत अनाज– मोटा अनाज यानि साबुत अनाज को पेट

के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप गेंहू, ओट्स, चावल और होल ग्रेन से बनी चीजें खा सकते हैं। ये चीजें पेट के लिए अच्छी होती हैं। इन चीजों में फाइबर ज्यादा होता है जिससे पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

केला– फलों में पका केला पेट के लिए बेहतरीन फल माना जाता है। केला में पौटेशियम पाया जाता है। केला खाने से पाचन बेहतर होता है और कई पेट से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। केला खाने से गैस्ट्रोइंटेस्टिनल समस्याएं भी कम होती हैं। इसलिए केला जरूर खाएं।

पपीता– पाचन को मजबूत बनाने के लिए पपीता जरूर खाएं। पपीता में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पेट साफ कर कब्ज को दूर करते हैं। पपीते के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाचन को बेहतर बनाते हैं। खाना पचाने से लेकर हार्टबर्न और अपच की समस्याएं इससे दूर होती हैं।

अदरक– पेट के लिए अदरक को भी अच्छा माना जाता है। जिन लोगों को जी मिचलाने या पेट में दर्द की समस्या होती है उन्हें अदरक का सेवन करना चाहिए। मॉर्निंग सिकनेस को खत्म करने में भी अदरक असरदार साबित होती है। डाइट में किसी तरह अदरक जरूर शामिल करें।

अस्थमा के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

अस्थमा सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है।यह बीमारी हमारे श्वसन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करती है। एक आंकड़े के अनुसार साल 2050 तक अस्थमा रोगियों की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी। अस्थमा कभी भी किसी को भी अचानक अपनी गिरफ्त में ले सकता है। इस लिए जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 6 मई को वर्ल्ड अस्थमा डे; मनाया जाता है।

अस्थमा के मरीजों को अपनी डाइट का बेहद ख्याल रखना चाहिए। डाइट में लापरवाही करने पर यह बीमारी तेजी से ट्रिगर होती है। अस्थमा के मरीजों को कुछ चीज़ों को खाने से परहेज़ करना चाहिए, क्योंकि ये चीजें एलर्जी ट्रिगर, सूजन बढ़ाने, या श्वसन मार्ग को संकुचित करने का कारण बन सकती हैं। नीचे कुछ ऐसी चीजें दी गई हैं जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए :

इन चीज़ों से बनाएं दूरी :

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड : जो लोग प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड का सेवन ज़्यादा करते हैं उनमें अस्थमा का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में संतृप्त वसा पाया जाता है। जो इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है। इनमें सल्फाइट्स, प्रिज़रवेटिव्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर भी होते हैं जो अस्थमा को ट्रिगर कर सकते हैं।

ठंडी चीज़ें : आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीज़ों से भी अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए। ठंडा खाने या पीने से गले और फेफड़ों की नलियों में सिकुड़न हो सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

शराब का सेवन : शराब और बियर में सल्फाइट्स मिलाए जाते हैं। जिससे कि यह काफी समय तक खराब न हो। वहीं यह सल्फाइट्स अस्थमा के रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

डेयरी उत्पाद : दूध, चीज़, मक्खन जैसे डेरी प्रोडक्ट्स अस्थमा के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।कुछ लोगों को डेयरी से म्यूकस (कफ) ज्यादा बनने लगता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

कॉफी– अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है तो कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए। कॉफी में मौजूद कैफीन एसिड रिफलेक्स को बढ़ा देती है। वहीं दमा के कुछ मरीजों में कॉफी का सेवन करने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है।

एक नजर

सर्वोच्च न्यायालय में अगस्त में लगेगी विशेष लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : 21, 22 एवं 23 अगस्त, 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में ह्लसमाधान समारोहह्व (विशेष लोक अदालत) का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सर्वोच्च न्यायालय में लंबित समझौते योग्य वादों के निस्तारण हेतु किया जा रहा है। सिविल जज (सी0डी0) एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली पुनीत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद चमोली के ऐसे वादकारी, जिनके समझौते योग्य मामले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित हैं, वे अपने अधिवक्ता अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से अपने मामलों को ह्लसमाधान समारोहह्व (विशेष लोक अदालत) में संदर्भित कराने हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक पक्षकार अपने मामले को समाधान समारोह 2026 में शामिल कराने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट वेबसाइट पर जाकर गूगल फॉर्म लिंक से आवेदन कर सकते है गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 मई, 2026 है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी जनपद वासियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर आपसी सहमति से अपने वादों का शीघ्र एवं सुलभ निस्तारण सुनिश्चित करें।

मंडल और जिला कार्यसमिति की बैठकें नियमित रूप से करें : महेंद्र भट्ट

रुद्रप्रयाग। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट भी शामिल हुए। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, केंद्र सरकार की योजनाओं और पार्टी की रणनीति को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। उन्होंने हाल ही में तीन राज्यों में भाजपा को मिली बड़ी जीत पर कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में पार्टी के लिए कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए प्रत्येक माह में प्रत्येक बूथ, शक्ति केंद्र की बैठकों के साथ साथ मंडल और जिला कार्यसमिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अंतर्विरोधों से घिरी हुई है और जनसरोकारों से दूर हो चुकी है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, जिला प्रभारी सतीश लखेड़ा, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, बाचस्पति सेमवाल आदि मौजूद रहे।

टेंट में सफाई के दौरान एयर गन और चापड़ हथियार मिलने से दहशत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में स्थित एक टेंट में सफाई के दौरान एयर गन और चापड़ हथियार मिलने से दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके से उक्त हथियारों को जब्त कर सोनप्रयाग थाने में जमा कर दिए। केदारनाथ में बुधवार देर शाम को एक टेंट में सफाई के दौरान एक बैग मिला जिसमें दो एयर राइफल और एक चापड़ रखा था। चौकी इंचार्ज केदारनाथ कुलदीप पंत ने बताया कि रायबरेली से एक सीआरपीएफ के जवान केदारनाथ यात्रा पर आए थे। वे मानसिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने बताया कि खेत में फसल को नुकसान पहुंचाने वाले पक्षियों को मारने में प्रयुक्त ये एयर गन और नारियल काटने वाला चापड़ भी साथ लाए थे। फोन पर उनकी पत्नी ने बताया कि यात्रा के दौरान वे हरिद्वार से आ गए थे लेकिन मानसिक रूप से कमजोर उनके पति केदारनाथ की यात्रा के लिए रवाना हो गए। चौकी इंचार्ज ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। प्रदीप के परिजनों को केदारनाथ बुलाया गया है।

कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा आज करेंगी बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा के जनपद आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका खांकरा में स्वागत किया। इस दौरान भटवाड़ी, अगस्त्यमुनि, गुप्तकाशी और सोनप्रयाग क्षेत्र से कार्यकर्ता पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, सह प्रदेश प्रभारी सुरेंद्र शर्मा मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक मुद्दों पर भी चर्चा की। इसके बाद कांग्रेस राज्य प्रभारी देर शाम सोनप्रयाग पहुंचीं जहां उन्होंने रात्रि प्रवास किया। शुक्रवार में वह बाबा केदार के दर्शन करेंगी और लौटकर जनपद में कई कार्यक्रमों में शामिल होकर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगी।

डीएम व एसपी ने केदारनाथ पहुंचकर परखीं व्यवस्थाएं

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने बृहस्पतिवार को धाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने टोकन और कतार व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं से संवाद कर सुझाव भी लिए। उन्होंने भीड़ नियंत्रण, पेयजल, शौचालयों की सफाई और कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही बारिश और बर्फबारी के कारण फिसलन वाले स्थानों पर नियमित सफाई कराने को कहा। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन तैयार है। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, विद्युत आपूर्ति, आवास और भोजन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

आपदा उपकरणों का स्टॉक चेक कर बदलें खराब सामग्री : सीडीओ

नई टिहरी। प्रभारी डीएम/ सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने मानसून की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। नगर निकायों के अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर बंद नालियों को खुलवाने, फॉगिंग अभियान शुरू करने, जलभराव रोकने और रैन बसेरों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी डीएम अग्रवाल ने आगामी मानसून को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। नालियों की नियमित सफाई, झाड़ी कटान, जल निकासी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे कार्यों को जल्द पूरा करने और मरम्मत कार्यों को 30 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गर्भवती को समय पर नहीं पहुंचाया गया सीएचसी बेलेश्वर

नई नई टिहरी। स्वास्थ्य विभाग ने पेटदर्द और उल्टी-दस्त से पीड़ित पोखार निवासी गर्भवती महिला की मौत पर उठाए गए सवाल निराधार बताए हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सीएचसी बेलेश्वर में प्राथमिक उपचार के दौरान मरीज को रेफर करने की स्थिति में एंबुलेंस मौजूद थी। महिला की तबीयत खराब होने के बाद मरीज को सीएचसी में दिखाने के बजाए प्राइवेट क्लीनिक ले गए। चिकित्साधिकारी डॉ. शिव प्रसाद भट्ट ने मरीज की स्थिति को गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर करने की सलाह दी।

कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की दवा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता के निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गुरूवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोपेश्वर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जनपद के आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई गई।

जिला सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रबंधक उदय सिंह रावत ने बताया कि बच्चों में पेट के कृमि संक्रमण से कुपोषण, एनीमिया, कमजोरी तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे बचाव हेतु वर्ष में दो बार कृमिनाशक दवा का सेवन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी ब्लॉकों में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं महिला सशक्तिकरण एवं

बाल विकास विभाग के समन्वय से यह अभियान सफलता पूर्वक संचालित किया गया। अभियान के दौरान प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा बच्चों को दवा सेवन के साथ स्वच्छता, हाथ धोने तथा साफ-सफाई बनाए रखने के प्रति जागरूक भी किया गया। उन्होंने जानकारी देते बताया कि जो बच्चे आज किसी कारणवश दवा नहीं ले पाए, उन्हें निर्धारित मॉप-अप दिवस 14 मई पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग जनपद चमोली ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए समय-समय पर कृमिनाशक दवा अवश्य दिलाएं तथा स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाने हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ललित मोहन बिष्ट, श्रीमती राखी चौहान, आरकेएसके काउंसलर विक्रम सिंह रावत समेत शिक्षिकाएं एवं छात्राएं मौजूद रही।

सोमनाथ, भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और अदम्य आत्मबल का प्रतीक : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सोमनाथ भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और अदम्य आत्मबल का जीवंत प्रतीक है। हजारों वर्षों के इतिहास और अनेक आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ आज भी पूरे विश्व को यह संदेश देता है कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की शक्ति अटूट एवं अमर है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 से 11 मई के बीच सोमनाथ मंदिर परिसर में आयोजित होने जा रहा ''विरासत वर्ष के 75 वर्ष'' कार्यक्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय गौरव और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव है। यह आयोजन देश की समृद्ध परंपराओं और सनातन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हमारी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और पुनरोद्धार के कार्य नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ सहित अनेक धार्मिक स्थलों का भव्य विकास भारत की सांस्कृतिक पुनर्जागरण यात्रा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी अपनी जड़ों, परंपराओं और भारतीय सभ्यता के मूल्यों से जुड़ रही है। साथ ही देशवासियों में सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रभक्ति और आध्यात्मिक चेतना को भी नई मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सोमनाथ से जुड़ा यह विशेष आयोजन भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को विश्व पटल पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करेगा।

सरकार पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध : धामी

मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए रेफ्रिजरेटेड फिशरीज वैन का भी फ्लैग ऑफ किया

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को निरंजनपुर देहरादून में राज्यभर से आये पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों एवं मत्स्य पालकों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए रेफ्रिजरेटेड फिशरीज वैन का भी फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। सरकार पशुपालकों के लिए कई योजनाएं चला रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन ग्रामीण जीवन शैली का प्रमुख आधार रहा है, जो लाखों परिवारों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब हमारे गांव, किसान और पशुपालक आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। इसलिए केंद्र सरकार पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय गोकुल मिशनह्व, पशुपालन अवसंरचना विकास कोष तथा किसान क्रेडिट

कार्ड जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ह्लमुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशनह्व के अंतर्गत पशुधन इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इनमें पात्र लाभार्थियों को 90 प्रतिशत तक ऋण अनुदान प्रदान किया जा रहा है। गोट वैली और पोल्ट्री वैली जैसी योजनाओं के माध्यम से भी पशुपालकों को सहायता प्रदान की जा रही है। पिछले चार वर्षों में गौ पालन, बकरी पालन और भेड़ पालन के माध्यम से राज्य में साढ़े 11 हजार से अधिक लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन के अंतर्गत भी राज्य में करीब 4 हजार से अधिक युवाओं और महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 60 विकासखंडों में मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स संचालित की जा रही हैं। साथ ही प्रत्येक जनपद में मॉडल पशु चिकित्सालयों का निर्माण किया जा रहा है। वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत सीमांत क्षेत्रों के पशुपालकों को आईटीबीपी के माध्यम से सीधा बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगणा, अध्यक्ष गौ सेवा आयोग राजेन्द्र प्रसाद अंथवाल, उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र मोघा, उत्तराखंड मत्स्य पालक विकास अभिकरण के उपाध्यक्ष उत्तम दत्ता, श्रीमती सीमा चैहान, अपर सचिव संतोष बडोनी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने पशुपालकों से किया संवाद

मुख्यमंत्री के साथ संवाद के दौरान हरिद्वार के पशुपालक हरिकिशन लखेड़ा ने कहा कि उन्होंने ब्रीड मल्टीप्लीकेशन फार्म योजना के तहत 50 गायें खरीदी। इस योजना का फायदा मिलने के बाद वे साहिवाल गाय से प्रतिदिन 300 लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं। आठ लोग इस कार्य में उनसे जुड़े हैं। इससे उनकी प्रतिमाह 01 लाख 15 हजार की शुद्ध आय अर्जित हो रही है। डोईवाला के अमित सिंह ने कहा कि उन्होंने गायों के चारे के लिए एफ.पी.ओ की स्थापना की। इसमें उनके साथ 386 लोग जुड़े है। तीन साल में उनका 10 करोड़ से अधिक का टर्न ओवर रहा है।

1620 संस्थानों में बच्चों और युवाओं को खिलाई गई दवा

रुद्रप्रयाग। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश के निर्देशन में बृहस्पतिवार को जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान शुरू हुआ। प्राथमिक विद्यालय काला पहाड़ से शुरू हुए इस अभियान के तहत 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों और युवाओं को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई।

उत्तराखण्ड प्रभारी कुमारी सैलजा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

श्रीनगर गढ़वाल : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खूब जोश भरा। उन्होंने बेरोजगारी, पलायन, भ्रष्टाचार और महिला अपराधों का आरोप लगाते हुए भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि देवभूमि में अंकिता भंडारी जैसा प्रकरण शर्म की बात है।

कार्यक्रम में कुमारी सैलजा ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार में थी, तब भाजपा के लोग रसोई गैस को महंगी बताकर ढोल बजाया करते थे। आज कीमतें कई गुना बढ़ने के बाद भी सिलिंडर न मिलने से रेहड़ी और छोटे ढाबा चलाने वालों की रोजी-रोटी पर संकट है। प्रदेश में पलायन व बेरोजगारी चरम पर है। हालात यह है कि गांव घोस्ट विलेज होते जा रहे हैं। गंगा स्वच्छता का दावा करने वालों के विचारों में प्रदूषण है। इससे प्रदेश की जनता को मुक्त कराना होगा। इसके लिए बुजुर्ग, महिला, युवा हर वर्ग को आगे आना पड़ेगा। इससे पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने उत्तराखंड प्रभारी सैलजा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि रोजगार, भू-कानून, मूल निवास व गैरसैंण राजधानी का एक ही हल है और वह है कांग्रेस की सरकार। उन्होंने कहा कि बदलाव जरूरी है नहीं तो तानाशाही चरम पर पहुंच जाएगी। संबोधन के दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे तो पार्टी के अपने हैं ही, आप लोगों के अपने हैं, आप के चहेते हैं। कहा कि चुनाव में ज्यादा मार्जिन दिलाना है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि गणेश गोदियाल आपके कार्यकर्ता हैं। उन पर पार्टी ने अपना विश्वास सौंपा है। 2027 का युद्ध जीतते हैं तो देश में हमारी प्रतिष्ठा बहुत उंची हो जाएगी। पूर्व मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने भी प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल के कार्यों की सराहना की। इस मौके प्रदेश सह प्रभारी मनोज यादव, सुरेंद्र शर्मा, सुमित भुल्लर, पीसीसी वीरेंद्र सिंह नेगी, नगर अध्यक्ष सूरज घल्डियाल, संजय फौजी, राजपाल बिष्ट, कविंद्र इस्टवाल, विनोद बिष्ट, अंजू भट्ट, मीना रावत, सुंदर लाल मुयाल, मदनलाल, सुधांशु नौडियाल, लाल सिंह नेगी, पुष्पेंद्र पंवार आदि मौजूद रहे। संचालन निशांत कंडारी ने किया।

महिला अपराधों के मामले में सरकार को घेरा

कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में यहां प्रदेश स्तर के नेताओं ने अपने संबोधन में अंकिता भंडारी प्रकरण, चंपाचत में नाबालिग के रेप व अन्य महिला अपराधों के मामले में भाजपा को खूब घेरा। पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि बेटियों के साथ हो रहे बलात्कार व अन्य उत्पीड़न के मामलों में भाजपा नेताओं के नाम उजागर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब हम सबके सामने अपना स्वाभिमान बचाने का सवाल है। उन्होंने कहा कि हमारी उम्र के लोगों को अपनी उम्र 10 साल कम करनी चाहिए, जिससे हम लड़ सकें और राज्य को बचा सकें। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि हम पांडव पक्ष हैं और वह कौरव पक्ष हैं। वह हमारे सत्व का चीरहरण करने काम कर रहे हैं।

2027 की लड़ाई आसान नहीं

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। 1200 गांव पलायन से खाली हो गए हैं। 1700 स्कूल बंद हो चुके हैं। कहा अंकिता भंडारी प्रकरण में सीबीआई जांच ठंडे बस्ते में चली गई है। पूर्व मंत्री डा. हरक सिंह रावत ने कहा 2027 की लड़ाई आसान नहीं है। इसके लिए कांग्रेस को मजबूत करना होगा। पूर्व मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने कहा कि कांग्रेस के लिए चुनौती आई है। इसका मुकाबला करने के लिए एकजुट होना होगा। उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने कहा कि राज्य में महिला अपराध चरम पर है। कहा अंकिता भंडारी प्रकरण में भाजपा के नेताओं के मुंह से न्याय का एक शब्द नहीं निकला।

चंपावत की घटना के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : चंपावत में युवती के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर गुरूवार को श्रीनगर में जस्टिस फॉर अंकिता कमेटी से जुड़े लोगों ने आक्रोश रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। पीपलचौरी से शुरू हुई रैली गणेश बाजार होते हुए गोला पार्क पहुंची। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। गोला पार्क में आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में लगातार महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराध बेहद चिंताजनक हैं। चंपावत की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सत्ता और प्रभाव के कारण कई मामलों में अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं। कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा किसी एक दल या राजनीति का विषय नहीं बल्कि समाज और संस्कृति से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ती घटनाओं पर सख्त रोक लगनी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अंकिता भंडारी मामले की तरह अन्य घटनाओं में भी न्याय मिलने में देरी से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। कहा कि सरकार को प्रभावी कदम उठाने होंगे ।

बारिश और ओलावृष्टि से फसलें हुईं बरबाद

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक के धनकुराली और आसपास के क्षेत्रों में एक सप्ताह से हो रही बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। रोज शाम के समय तेज हवाओं के साथ हो रही भारी ओलावृष्टि से खेतों में आलू और मटर की फसल बरबाद हो गई है। वहीं सेब, कीवी और माल्टा के बगीचों को भी बहुत नुकसान पहुंचा है। ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह ने बताया कि गांव की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और यहां के किसान नकदी फसलों से अपनी आजीविका चलाते हैं। प्रभावित काश्तकार नरेंद्र कुंवर सिंह, रघुवीर सिंह, करण सिंह और पूरण सिंह ने कहा कि इस बार फसल से अच्छी आय की उम्मीद थी लेकिन बारिश और ओलावृष्टि से सब नष्ट कर दिया। कुंदन सिंह, प्रेम सिंह, मोहित सिंह और विजय सिंह ने फसलों के मुआवजे की मांग की। वहीं जिला उद्यान अधिकारी राजेश जसोला ने बताया कि नुकसान का सर्वेक्षण कराया जा रहा है और रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सहायक कलेक्टर, प्रथम श्रेणी कोटद्वार।

राजस्व वाद संख्या

सन् 2023

(अंतर्गत आदेश 5, नियम 20)

सन्दीप उर्फ संजय ध्यानी - बनाम् -बसन्तकिशोर ध्यानी आदि

समन बनाम्-

बसन्तकिशोर ध्यानी, सन्तोषकिशोर ध्यानी व प्रेमकिशोर ध्यानी पुत्रगण स्व0 विद्यादत्त ध्यानी, आनन्द स्वरूप ध्यानी पुत्र स्व0 वामदेव, अनुसूया प्रसाद पुत्र गोविंदराम, रामेश्वर प्रसाद पुत्र शंकरमणी, जगदीश प्रसाद पुत्र खुशालमणी, हरिप्रसाद पुत्र विजय प्रसाद, श्रीमती नीरा देवी पत्नी मनवर सिंह, आलम सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, राजीव पुत्र अश्वरी कुमार, मनोज कुमार पुत्र आनन्द स्वरूप, सुधीर पुत्र भैरव दत्त, सुरभि पुत्री कुलदीप, प्रवीन सिंह व नवीन कुमार पुत्रगण गजेन्द्र सिंह, प्रदीप सिंह पुत्र चतर सिंह, श्रीमती कमला देवी पत्नी निहाल सिंह, सतेन्द्र सिंह पुत्र खुशाल सिंह, गिरीश पुत्र सतीश चन्द्र, कौशल्या देवी पत्नी बृजमोहन, मुकेश चन्द्र पुत्र मनोहर प्रसाद, मोहन सिंह पुत्र दयाल सिंह, श्रीमती बीना पत्नी बचन सिंह, रमेश चन्द्र पुत्र धनीराम, अनिल कुमार पुत्र गोविंद, अनुज पुत्र गौतम प्रसाद, श्रीमती शोभा पत्नी सतीश चन्द्र, विजय व नरेन्द्र पुत्रगण चन्द्रप्रकाश, मुकेश पुत्र सतेसिंह समस्त निवासीगण ग्राम नन्दपुर, पट्टी मोटाढ़ाक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

............विपक्षीगण।

हरगाह वादी सन्दीप उर्फ संजय ध्यानी द्वारा इस न्यायालय में एक वाद अंतर्गत धारा 176 उत्तराखण्ड (उ0प्र0ज0वि0 एवं भू0सु0) अधिनियम प्रस्तुत किया गया है, जिसमें आपको प्रतिवादी बनाया गया है। मामले में सुनवाई हेतु दिनांक 29/5/26 की तिथि नियत है।

अतः आपको एतद्द्वारा आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक 29/05/2026 को स्वयं अथवा सम्यकरूप से निर्देशित अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। ऐसा करने में असफल होने पर वाद में आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 10/4/26 को जारी

आदेशानुसार
कलेक्टर असिस्टेंट प्रथम श्रेणी
कोटद्वार (गढ़वाल)
(0513/11)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असि0 कलैक्टर (प्रथम श्रेणी) कोटद्वार गढ़वाल

रा0वा0सं0- 11/ सन् 2025

श्री पुष्कर सिंह रावत पुत्र स्व0 सुदामा सिंह रावत, निवासी सुकई, पट्टी बैजरो, तहसील बीरोखाल, पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड, हाल निवासी सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार गढ़वाल उत्तराखण्ड। (मो0 9718045613)

समन बनाम

श्री महेन्द्र सिंह पुत्र चन्दन सिंह (मो0- 9411180222), 2- श्री मनोरमा देवी पत्नी चन्दन सिंह, 3- राजेन्द्र सिंह पुत्र चन्दन सिंह, 4- महेन्द्र सिंह पुत्र चन्दन सिंह, 5- नरेन्द्र सिंह पुत्र चन्दन सिंह, 6- कुंवारी देवी पत्नी लाल सिंह, 7- काम सिंह पुत्र मथुरा प्रसाद, 8- रामदास पुत्र नागेन्द्र दत्त, 9- कन्हैयालाल पुत्र हरीदत्त, 10- प्रभानन्द पुत्र जसवन्तराम, 11- देवीचन्द पुत्र बलराम, 12- नन्दी देवी पत्नी गोपाल सिंह, 13- पदमा पत्नी विशन सिंह, 14- सुशीला देवी पत्नी जो0एस0 बिष्ट, 15- कृष्णलाल पुत्र मुकन्दलाल सतीजा, 16- राजेश्वरी देवी पत्नी गुणानन्द, 17- राकेश पुत्र गुणानन्द, 18- पंकज कुमार पुत्र गुणानन्द, 19- दीपक कुमार पुत्र गुणानन्द, 20- पवन कुमार पुत्र गुणानन्द, 21- पदमेन्द्र सिंह पुत्र वचन सिंह, 22- किनखा एकडमी प्रबन्धक समिति, 23- सुशीला देवी पत्नी रघुनाथ सिंह, 24- सुजीत पुत्र रघुनाथ सिंह, 25- शैलेश पुत्र रघुनाथ सिंह, 26- राजीव पुत्र रघुनाथ सिंह, 27- जि0बे0शि0 अधिकारी पौड़ी, 28- मनोज कुमार पुत्र राधेश्याम, 29- मुकुन्द पुत्र विनोद कुमार, 30- दयाल पुत्र मधुराप्रसाद, 31- सुशीला देवी पत्नी विक्रमचन्द, 32- देवेन्द्र कुमार पुत्र कश्मीरी लाल, 33- अंजू पत्नी देवेन्द्र, 34- कुंवर सिंह पुत्र किशन लाल, 35- विनीता देवी पत्नी शिवकुमार, 36- मेजर बालम सिंह चन्द्र देवी / सैनिक कल्याण ट्रस्ट, 37- चन्द्रबल्लभ पुत्र जगतराम, 38- प्रेमबल्लभ पुत्र जगतराम, 39- राजेन्द्र कुमार पुत्र किशनलाल, 40- मुकेश कुमार पुत्र किशनलाल, 41- चन्द्रप्रभा देवी पत्नी जयानन्द, 42- हेमन्त कुमार पुत्र जयानन्द, 43- वसन्त कुमार पुत्र जयानन्द, 44- अनमोल पुत्र मुकेश कुमार, 45- सरोज पत्नी ओमप्रकाश, 46- मोहित पुत्र ओमप्रकाश, 47- रितेश पुत्र ओमप्रकाश, 48- मंजूबाला पत्नी कुंवर सिंह, 49- अभिमन्यु पुत्र कुंवर सिंह, 50- सीता कोटनाला पुत्र हरिदत्त

निवासीगण सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड

हरगाह वादी उपरोक्त ने मेरे न्यायालय में एक वाद अन्तर्गत धारा-229बी उ0प्र0ज0 वि0 एवं भू0सु0अधि0 के अन्तर्गत पेश किया है जिसमें आपकी उपस्थिति वांछनीय है।

अतः आपको हुक्म होता है कि आप दिनांक 29-5-2026 को बवक्त 10 बजे दिन मेरे न्यायालय असालतन या वकालतन न्यायालय उपस्थित होकर अपनी पैरवी करना सुनिश्चित करें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत में आज दिनांक 15-4-2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से,
असि0कलै0प्र0श्रे0 कोटद्वार
जिला पौड़ी गढ़वाल
(0514/11)

आईपीएल में आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर हैं। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनो के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी।

दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरुन ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर अर्धारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर- करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- वैभव अरोड़ा

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर खिसकी

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीसकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है।

सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर है, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं।

वहीं शीर्ष चार से बाहर, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटन्स (जीटी) है। जीटी ने भी 10 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं और उसके भी 12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण वह शीर्ष 4 से बाहर है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर बरकारार है। दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 9 में से 3 मैच जीते हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा, जिससे उसके खाते में 7 अंक हैं और वह आठवें स्थान पर है। अंक तालिका में नौवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है, जिसने 10 मैचों में केवल 3 जीत हासिल की हैं और उसके 6 अंक हैं। सबसे निचले पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने इस सीजन के आधे से अधिक मुकाबले खेलने के बाद भी 9 मैचों में केवल दो जीत दर्ज की हैं और उसके पास सिर्फ 4 अंक हैं।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं।

मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी।

साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज़्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। रियान 2019 से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल 2026 के मौजूदा सीज़न में, उन्होंने 10 पारियों में 207 रन बनाए हैं।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं, बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर , अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेऑ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

ईशान ने पंजाब किंग्स का खराब फील्डिंग के लिए मजाक उड़ाया

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली 33 रनों जीत पर खुशी जताते हुए विरोधी टीम की खराब फील्डिंग पर तंज कसा है । इस मैच में पंजाब ने कई कैच छोड़े जिससे उसके हाथ से ये मैच निकल गया । इसी के साथ ही पंजाब टीम को छह जीत के बाद लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। मैच के बाद ईशान ने पंजाब किंग्स की खराब फील्डिंग की हंसी उड़ाते हुए सोशल मडिया में एक पोस्ट किया, जो तेजी से छा गयी । ईशान ने अपनी पोस्ट में केवल तीन शब्द लिखे अगर मुझे पकड़ सकते हो तो पकड़ो । इस पोस्ट से ईशान ने पंजाब के फील्डरों का एक प्रकार से मजाक उड़ाया है क्योंकि उनके तीन कैच पंजाब ने गिरा दिये थे । ईशान पहली बार जब 9 रन पर थे तभी कूपर कॉनॉली ने उनका कैच छोड़ दिया था । इसके बाद जब वह 18 रन पर थे, तब लॉकी फर्ग्यूसन ने भी कैच गिरा दिया । वहीं इसके बाद 20 रन पर प्रभसिमरन सिंह ने उनकी स्टंपिंग का अवसर छोड़ दिया था । इसी कारण ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाने में सफल रहे । ईशान ही नहीं, सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का भी कैच गिरा था । इसके बाद क्लासने ने 43 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली थी । इसका नुकसान पंजाब को हुआ था ।

मुम्बई इंडियंस के साथ रायपुर नहीं पहुंचे हार्दिक , टीम में मतभेद की अटकलें लगीं

रायपुर । मुंबई इंडियंस टीम 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफा होने वाले मैच के लिए पहुंच गयी है पर टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं पहुंचे हैं । जिससे कई सवाल उठ रहे हैं । ये भी अटकले हैं कि टीम में सब कुछ ठीक नहीं हैं । महत्वपूर्ण मैच से पहले कप्तान की अनुपस्थिति से प्रशंसकों का आशंकित होना जायज भी है । वहीं आधिकारिक रूप से यह बताया नहीं गया है कि हार्दिक बाद में टीम के साथ जुड़ेंगे या नहीं । हार्दिक को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ पिछले मैच से पहले पीठ में जकड़न आ गयी थी । इसी कारण वह तब मुकाबले से बाहर हो गये थे । ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी । उस मैच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को हराया था, जिससे टीम ने प्लेऑफ की अपनी संभावनएं बरकरार रखीं थीं ।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली । बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं । अब तक सीएसके को जीत मिली हैं । उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है । सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है । वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेऑफ की दौड़ में भी बनाये रखा है । इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया । अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं । सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है । संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है । गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है । अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं । संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है । अब उसकी नजरें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होगी ।

विनेश फोगाट डब्ल्यूएफआई द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी, एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्सन ट्रायल में रही अयोग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए बुधवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है।

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी।

मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में माँ बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी।

ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

खराब फील्डिंग के कारण सनराइजर्स से हारे : श्रेयस अय्यर

हैदराबाद । पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुई हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया है । पंजाब की टीम को इस मुकाबले में 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा । इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 4 विकेट पर 235 रन बनाये । इस दौरान पंजाब के खिलाड़ियों ने तीन आसान कैच गिरा दिये । वहीं एक स्टंपिंग का अवसर भी टीम ने खो दिया । श्रेयस के अनुसार अगर इन अवसरों का लाभी उठाया जाता तो 30 से 40 रन कम बनते और मैच का परिणाम कुछ और होता । मैच के बाद अय्यर ने कहा, हमने खेल की शुरुआत में ही कई कैच गिरा दिये । अगर ऐसा नहीं होता से सनराइजर्स 30 से 40 रन कम बना पाती । कप्तान ने कहा कि टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी भी इस मैच में उम्मीद के अनुसार नहीं रही । वहीं सनराइजर्स ने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि मैच किस प्रकार अपने नाम किया जा सकता है । इस मैच में स्पिनर यजुवेन्द्र ने अच्छी गेंदबाजी की पर उन्हें एक ही विकेट मिल पाया क्योंकि उनके एक ही ओवर में एक कैच और स्टंपिंग का अवसर निकल गया । इस सत्र में चहल की गेंदों पर कुल 16 कैच उछले पर 8 कैच ही पकड़े जा सके । अय्यर ने चहल की प्रशंसा करते हुए कहा, उसने बिना किसी डर के आक्रामक गेंदबाजी की । उससे अपनी गेंदबाजी से दबाव भी बनाया पर हम उसका लाभ नहीं उठा पाये । इस मैच में पंजाब के बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये । युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ही टिक पाये । कोनोली ने 59 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए । इस मैच के साथ ही सत्र में पंजाब किंग्स की लगातार तीसरी हार है । टीम अब पांच दिन के आराम के बाद 11 मई को दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी । श्रेयस ने कहा है कि अब हमें बचे हुए मैच में अपनी गलतियां सुधारनी होंगी ।

नेमार ने टीनेजर रोबिन्हो जूनियर से माफी मांगी, थप्पड़ मारने का था आरोप

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने 'हद पार कर दी' और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस टीनेजर को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी । ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को 'चेहरे पर जोरदार थप्पड़' मारने का आरोप लगाया था । यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे । अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना 'पूरी तरह सुलझ गई है' । नेमार ने कहा, 'अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते हैं, तो यह रही ।' नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं जिनके नाम 79 गोल हैं । बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सब्स्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया । रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं । नेमार ने कहा, 'हां, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी उसमें मैंने थोड़ी ज़्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी । यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया । हर कोई गलतियां करता है । यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी; मैंने थोड़ी बड़ी गलती की । वह एक ऐसा लड़का है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं जिसके लिए मेरे मन में खास लगाव है । फुटबॉल में ऐसा होता रहता है – आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं । यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है ।' रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को 'तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं' और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए 'कई बार' माफी मांगी । उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी स्थिति थी जिसने मुझे परेशान कर दिया, क्योंकि बचपन से ही वह मेरे आदर्श रहे हैं । हमारे आस-पास के लोग बहुत सी ऐसी बातें कहते हैं जो सच नहीं होतीं, और यह देखकर दुख होता है कि बात इस हद तक बढ़ गई । लेकिन मैं ठीक हूँ, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूँ । हमने आपस में बात कर ली है और सब कुछ सुलझ गया है ।'

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम (एजेंसी)। विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है।

गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है।

हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक का मौका मिलेगा और उसमें समाधान निकलेगा। खिलाड़ियों ने हाल ही में फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा को पर्याप्त नहीं करार दिया है।

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्वकप शुरु होने दो सप्ताह पहले पहुंच सकती है अमेरिका

तेहरान । ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि उनकी फीफा विश्वकप शुरू होने से दो सप्ताह पहले अमेरिका पहुंचने की योजना है। ईरानी मीडिया ने यह जानकारी दी । घालेनोई ने कहा कि योजना टीम को विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी । उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अभी भी दो या तीन अच्छे अभ्यास मैच कराने की जरूरत है । तय कार्यक्रम के मुताबिक, टीम 16 मई को तुर्किये के लिए रवाना होगी और वहां दो सप्ताह रहेगी । ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि वे विश्वकप में हिस्सा लेने के बारे में सबसे अच्छा फैसला लेने के लिए काम कर रहे हैं । अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबान में 11 जून से 19 जुलाई होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है । टीम 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद 21 जून को उसी जगह पर बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी । ईरान का आखिरी ग्रुप मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ होगा ।